www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक –218 I भोपाल, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

बिना हेलमेट के पेट्रोल देने पर 2 पंप सील — पृष्ठ 3

दुनिया का दादा क्यों फोड़ रहा है टैरिफ के सुतली बम? — पृष्ठ 4

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर शुल्क 50 फीसदी तक बढ़ाया : क्या होगा इस आदेश का असर — पृष्ठ 4

आर्थिक तंगी से परेशान होकर उठाया कदम, परिजनों, नपा कर्मियों ने किया हंगामा — पृष्ठ 6

भोपाल मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास को मिलेगी गति — पृष्ठ 8

सार-समाचार

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, 21 से नामांकन

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाए गए हैं। नामांकन भरने के लिए प्रत्याशी को 15,000 रुपए का शुल्क जमा करना होगा। शुल्क नामांकन पत्र के साथ रिटर्निंग ऑफिसर को दिया जा सकता है या उससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी ट्रेजरी में जमा कराकर उसकी रसीद प्राप्त की जा सकती है।

हनी सिंह के गाने पर बवाल, महिला आयोग ने किया तलब

चंडीगढ़, एजेंसी। मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनका नया गाना 'मिलनायर' सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है लेकिन इसी गाने में महिलाओं के प्रति कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल को लेकर हंगामा मच गया है। इस गाने के खिलाफ पंजाब राज्य महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए एक्शन की मांग की है। आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल ने इस मामले में पंजाब के डीजीपी को पत्र लिखकर इस विवाद पर नोटिस लेने की अपील की है।

कैलाश यात्रियों का दल एक दिन की देरी से पहुंचा गुंजी

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के धारचूला में फंसा कैलाश मानसरोवर यात्रियों का दल आखिरकार एक दिन की देरी से गुरुवार को गुंजी पहुंच गया। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने चौथे दल को आज धारचूला से रवाना किया। बताया जा रहा है कि 48 सदस्यीय यह दल गुरुवार दोपहर में सकुशल गुंजी पहुंच गया था। इससे प्रशासन ने राहत की सांस ली। जिला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) मार्ग को खोलने के लिए पिछले दो-तीन दिनों से युद्धस्तर पर काम कर रहा था।

बीजापुर में 9 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, 1 माओवादी ढेर

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है। यहां 24 लाख रुपए के इनामी सहित 9 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इसके अलावा, मुठभेड़ में एक माओवादी के मारे जाने की खबर है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की है। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2023 से अब तक राज्य में करीब 450 माओवादी मारे जा चुके हैं, 1,579 को गिरफ्तार किया गया है, और 1,589 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

चुनाव से पहले 6 आईपीएस और 26 डीएसपी का स्थानांतरण

पटना, एजेंसी। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। इससे पहले बिहार सरकार ने गुरुवार को छह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का तबादला किया है। इसके अलावा, 26 पुलिस उपाधीक्षकों का भी स्थानांतरण किया गया है। इसकी अधिसूचना बिहार गृह विभाग ने जारी कर दी है। गृह विभाग की अधिसूचना के मुताबिक, 2021 बैच के आईपीएस अधिकारी मो. मोहिबुल्लाह अंसारी को पटना नगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ)-1 से हटाकर एसडीपीओ-2 विधि-व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है।

'भूमि कानून' के खिलाफ उतरेगा अकाली दल

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार के 'भूमि कानून' के खिलाफ विरोध थम नहीं रहा है। शिरोमणि अकाली दल ने आम आदमी पार्टी पर जमीन हड़पने के आरोप लगाते हुए एक सितंबर से आंदोलन का ऐलान किया है। अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने घोषणा की है कि पार्टी 1 सितंबर से 'मोर्चा' शुरू करेगी। सुखबीर सिंह बादल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सरकार की पॉलिसी, पंजाब के किसानों और गरीबों पर सबसे बड़ा हमला है।

राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगाए

चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर कर रहा हेराफेरी

- महाराष्ट्र में 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए
- कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 1 लाख से अधिक वोटों की हेराफेरी हुई

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आयोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनावों में हेराफेरी कर रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान की नींव 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत पर टिकी है। इसलिए जब चुनाव होते हैं तो सबसे जरूरी सवाल यह है कि क्या सही लोगों को वोट डालने की अनुमति मिल रही है? क्या वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं? क्या वोटर लिस्ट सटीक है? उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से लोगों में संदेह बढ़ता जा रहा है। उन्होंने पांच मुख्य बिंदु गिनाए और कहा कि भाजपा को कभी भी एंटी-इनकंबेंसी (विरोधी लहर) का सामना नहीं करना पड़ता। भाजपा को अप्रत्याशित और बड़ी जीत मिल जाती है। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल बार-बार गलत साबित हो जाते हैं। मीडिया द्वारा तैयार किया गया माहौल और चुनाव कार्यक्रम को सोच-समझकर 'कोरियोग्राफ' करना भी इन पांच बिंदुओं में शामिल हैं।

5 बजे के बाद वोटिंग में जबरदस्त उछाल

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में उन्हें इन संदेहों के पीछे की असल तस्वीर दिखने लगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे। कई क्षेत्रों में जितने वोटर जोड़े गए, वह उन इलाकों की पूरी आबादी से भी ज्यादा थे। 5 बजे के बाद वोटिंग में अचानक जबरदस्त उछाल आया, लेकिन मतदान केंद्रों पर लाइनें नहीं थीं। महाराष्ट्र के चुनाव का डेटा दिखाकर आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा चुनाव में धांधली हुई है और 40 लाख वोट रहस्यमयी तरीके से जोड़े गए।

5 तरह से की गड़बड़ियां

-डुप्लीकेट वोटर्स: 11,965
-फेक एड्रेस: 40,009 वोटर्स
-एक पते पर 80 और 46 वोटर
-अवैध फोटो: 4132 वोटर्स
-फॉर्म 6 का गलत इस्तेमाल

40 हजार ऐसे वोटर, जिनके पते शून्य

राहुल गांधी ने कहा, ऐसे 40 हजार वोटर हैं जिनके पते शून्य है या फिर है ही नहीं। अलग-अलग नाम और अलग-अलग परिवार के लोग और जब हम वहां जाते हैं तो पता चलता है कि वहां कोई रहता ही नहीं है।

> *महाराष्ट्र में सिर्फ 5 महीनों में जितने नए वोटर जोड़े गए, उतने पिछले 5 सालों में भी नहीं जोड़े गए थे।*
>
> *- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता*

रीडेबल वोटर लिस्ट देने से आयोग का इनकार

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट देने से इनकार कर दिया। अगर हमारे पास सॉफ्ट कॉपी होती, तो हम पूरे डेटा को 30 सेकंड में एनालाइज कर सकते थे। लेकिन हमें कागज के सात-फुट लंबे बंडल मिले, जिन्हें पढ़ने और मिलाने में छह महीने लगे।

भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया

भाजपा ने चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को अमर्यादित और देश की संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया हैं। संबित पात्रा नेकहा कि श्री गांधी हताशा में देश की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ बयान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिया लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन का गिफ्ट, शगुन के साथ भेजी 15 सौ रुपए की राशि

भाईदूज से हर माह मिलेंगे 15 सौ रुपए

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन का गिफ्ट दिया है। उन्होंने आज राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को साढ़े 12 सौ रुपए के साथ ढाई सौ रुपए की राशि शगुन के रूप में भी भेजी। इससे पहले भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने बड़ा ऐलान किया और कहा कि दीपावली के भाईदूज से लाड़ली बहनों को हर माह 15 सौ रुपए की राशि हर माह दी जाएगी।

डॉ. यादव ने नरसिंहगढ़ में आयोजित समारोह में कहा कि रक्षाबंधन पर अगर बहन-बेटियां घर आ जाएं तो लगता है जैसे दिवाली आ गई। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मेरी प्रदेश में साढ़े 4 करोड़ बहने हैं। वे जब राखी बांधती हैं, तो आनंद आ जाता है। उन्होंने कहा कि हजारों साल से बड़ी से बड़ी सत्ता से टकराने की हिम्मत अगर कहीं से आती है तो वो बहनों की राखी और आशीर्वाद से ही आती है। बहनें भी बड़े से बड़े संकट में सबसे पहले भाई को ही याद करती हैं और भाई भी दौड़े चले आते हैं।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं को गैस रिफिलिंग के लिए भी सहायता प्रदान की। 28 लाख हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक से 43 करोड़ 90 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर की। प्रदेश की बहनों को लगातार रुपए दिएए राशि बढ़ाई-मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेसी कहते थे कि लाड़ली बहनों को देने के लिए कहां से पैसे लगाएंगे। हमने वादे के अनुसार प्रदेश की बहनों को लगातार रुपए दिए, धीरे-धीरे करके राशि भी बढ़ाई। बहनें अपना पेट काटकर अपने परिवार के लिए खर्च करती हैं। इसलिए हम अपनी बहनों को पैसे देने में कमी नहीं करेंगे।

मप्र को मिलेगी कई सौगातें, पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे मोदी

विदेशों में निर्यात होंगे धार में बने वस्त्र

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अगस्त को धार में टेक्सटाइल हब पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे। यह लगभग 2 हजार करोड़ की इस परियोजना से एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें कपास से धागा, धागे से कपड़ा और कपड़े से रेडीमेड गारमेंट बनाकर विदेशों में निर्यात भी किया जाएगा। डॉ. यादव ने यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य द्वारा कई कार्यक्रमों की श्रृंखला बनाई गई है। इसके तहत मध्यप्रदेश को निकट भविष्य में कई सौगातें मिलेंगी। यह उद्योग और रोजगार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य स्वदेशी की भावना को प्रोत्साहन देना है। इसी तरह राज्य के लिए 10 तारीख का दिन स्वदेशीकरण की भावना को लेकर अहम होगा। राज्य में पहली बार रेल कोच बनेंगे, जिन्हें रेल मंत्रालय जहां चाहेगा, निर्यात करेगा। इस महत्वपूर्ण परियोजना के शिलान्यास समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे, जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअली जुड़ेंगे।

उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि ये अभियान इस बार स्वदेशी भावना और स्वच्छता की थीम पर आधारित रहेगा। यह तिरंगा अभियान तीन चरणों में पहला 2 से 8 अगस्त, दूसरा 9 से 12 अगस्त और तीसरा 13 से 15 अगस्त तक चलेगा। अभियान के अंतर्गत ऑपरेशन सिंदूर भी चलाया जाएगा, जिसमें भारतीय सैन्य बलों और पुलिस बलों को आमजन की ओर से राखियाँ भेजी जाएँगी। विद्यालयों व महाविद्यालयों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। प्रभारी मंत्री अपने-अपने जिलों में झंडावंदन करते हुए इस अभियान का विस्तार करेंगे।

स्वदेशी भावना और स्वच्छता की थीम पर आधारित होगा तिरंगा यात्रा अभियान

14 को किसान सम्मान निधि भेजेंगे, जन्माष्टी पर होगा राज्य स्तरीय आयोजन

डॉ. यादव ने बताया कि 14 अगस्त को बलराम जयंती के अवसर पर मंडला से किसान सम्मान निधि की राशि भेजेंगे और फिर 15 अगस्त व 16 अगस्त को जन्माष्टमी पर राज्य स्तरीय आयोजन होगा, जिसे इस बार कृष्णायन के रूप में एक नई दृष्टि दी है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़े प्रदेश के स्थानों को सरकार तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर जवानों को बहनें भेजेंगी राखियां

मुख्यमंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सशस्त्र बलों के जवानों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के उद्देश्य से उन्हें राखियां भेजी जाएंगी। स्कूलों में तिरंगे से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। तिरंगा संगीत और प्रदर्शनियों का आयोजन भी होगा। इस अभियान में सभी वर्गों को शामिल करते हुए 1 करोड़ तिरंगे की व्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है।

ट्रंप टैरिफ के जवाब में बोले मोदी

भारत किसानों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कृषि के क्षेत्र में स्वामीनाथन के योगदान को स्मरण करते हुए किसानों के भविष्य, उनकी आय वृद्धि और हितों को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

इस अवसर पर अपने भावुक संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाइयों-बहनों के हितों के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि वे जानते हैं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के किसानों के लिए, मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशुपालकों के लिए भारत तैयार है। किसानों की आय बढ़ाने, खेती पर खर्च कम करना, आय के नए स्त्रोत बनाने के लक्षों पर हम लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है। इसलिए बीते वर्षों में जो नीतियां बनी, उनमें सिर्फ मदद नहीं थी, किसानों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास भी था। पीएम किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सीधी सहायता ने छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को जोखिम से सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में पीएम धन धान्य योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत उन 100 जिले को चुना गया है, जहां खेती पिछड़ी रही। यहां सुविधाएं पहुंचाकर, किसानों को आर्थिक मदद देकर, खेती में नया भरोसा पैदा किया जा रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि सिंचाई से जुड़ी समस्याओं को पीएम कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से दूर किया गया है।

मंदसौर में भूकंप के झटके, मचा हड़कंप

मंदसौर, देशबन्धु। मंदसौर जिले के कई इलाकों में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। इन झटकों से लोगों में हड़कंप मच गया। पिपलिया मंडी, कनघट्टी, मल्हारगढ़ के अमरपुरा में भूकंप के झटकों की तीव्रता 3.9 मापी गई है। भूकंप का केंद्र राजस्थान के समीपी शहर प्रतापगढ़ में जमीन से 10 किमी अंदर बताया जा रहा है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने प्रेस नोट जारी कर इसकी पुष्टी की है।

जानकारी के मुताबिक भूकंप गुरुवार सुबह करीब 10 बजकर 7 मिनट 2 सेंकड पर मंदसौर जिले में अलग-अलग क्षेत्रों में भूकंप आने का अहसास हुआ है। जिले के पिपलिया मंडी, कनघट्टी, मल्हारगढ़ के अमरपुरा में भूकंप के झटके मेहसूस किए जाने की पुष्टि की गई जा चुकी है। हालांकि, भूकंप के झटकों से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की अबतक सूचना सामने नहीं आई है, लेकिन अचानक से धरती कांपने के कारण प्रभावित क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। लोग घरों से निकलकर सड़कों और खुले इलाकों में जाकर खड़े हो गए हैं।

---

3 दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया

लद्दाखियों ने फिर खोला मोर्चा केंद्र के खिलाफ

जम्मू, देशबन्धु। लद्दाख में अपनी राजनीतिक और संवैधानिक मांगों को लेकर करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। करगिल में प्रेस कांफ्रेंस कर केडीए नेताओं ने 9 से 11 अगस्त तक तीन दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया है। केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबालई ने यहां संवाददाताओं से चर्चा करते हुए बताया कि करगिल टाउन में शनिवार को हड़ताल शुरू होगी और लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) के नेताओं से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे विरोध में शामिल हों और केंद्र सरकार को एक संदेश भेज सकें कि लद्दाख के लोग अपनी वास्तविक मांगों पर चुप नहीं रहेंगे।

केडीए ने अपनी चार अहम मांगों को दोहराया, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए, इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, एक अलग संसदीय सीट बहाल की जाए और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाने के लिए एक क्षेत्रीय लोक सेवा आयोग बनाया जाए। इन मांगों को लेकर केडीए लंबे समय से आवाज उठा रहा है, लेकिन अब तक केंद्र की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

प्रेस कांन्फ्रेंस में केडीए नेताओं ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कई बार गृह मंत्रालय और लद्दाख के नेताओं के बीच बैठकें हुईं, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। केडीए का कहना है कि यह भूख हड़ताल केवल एक विरोध नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों की आवाज को पूरे देश तक पहुंचाने की कोशिश है। केडीए ने केंद्र सरकार से अपील की है कि बहुत देर होने से पहले वह लद्दाख के मुद्दों को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए।

उधमपुर जिले में हादसा

सीआरपीएफ का वाहन खाई में गिरा, 3 की मौत

जम्मू, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार को एक भीषण हादसा हुआ सीआरपीएफ का एक वाहन गहरी खाई में गिर गया जिससे कम से कम तीन सीआरपीएफ जवानों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। इनमें से कई गंभीर रूप से घायल गए।

यह हादसा बसंतगढ़ इलाके के कंडवा के पास सुबह करीब 10:30 बजे हुआ। उधमपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भट्ट ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बचाव अभियान शुरू किया और सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि वाहन कई सौ फीट नीचे लुढ़क गया, जिससे उसमें सवार कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जम्मू कश्मीर से आने वाले केंद्रीय मंत्री डा जितेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने उधमपुर के डीसी से बात की है और घायल जवानों को हर संभव मदद मुहैया कराई जा रही है। जितेंद्र सिंह सोशल मीडिया पर कहा कि उधमपुर कंडवा-बसंतगढ़ इलाके में सीआरपीएफ के एक वाहन के साथ हुई सड़क दुर्घटना की खबर सुनकर व्यथित हूं। वाहन में सीआरपीएफ के कई बहादुर जवान सवार थे। मैंने अभी डीसी सलोनी राय से बात की है, जो व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रही हैं और मुझे अपडेट दे रही हैं।

दोषसिद्धि के मामले 10 प्रतिशत से भी कम, सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

ईडी को कानून के दायर में रहना होगा

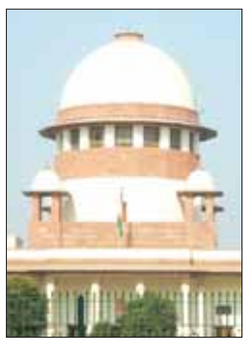

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ईडी पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में ही रहना होगा। टिप्पणी केंद्रीय एजेंसी की ओर से जांचे गए मामलों में दोषसिद्धि की कम दरों पर चिंता जताते हुए की गई। जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, 'हम प्रवर्तन निदेशालय की छवि को लेकर भी चिंतित हैं।' शीर्ष अदालत 2022 के उस फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था। केंद्र और ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने समीक्षा याचिकाओं पर सवाल उठाया। उन्होंने कम दोषसिद्धि दर के लिए प्रभावशाली आरोपियों की टालमटोल की रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। राजू ने कहा, प्रभावशाली बदमाशों के पास बहुत साधन होते हैं। वे कार्यवाही को लंबा खींचने के लिए अलग-अलग चरणों में आवेदन दायर करने के लिए वकीलों की फौज रखते हैं। मामले का जांच अधिकारी जांच में समय लगाने के बजाय किसी न किसी आवेदन के लिए अदालत के चक्कर लगाता रहता है।

न्यायमूर्ति भुयान ने अपने एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज किए गए 5,000 मामलों में से 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में दोषसिद्धि हुई है।

कुबेरेश्वर धाम में 3 दिन में 7 की मौत

सीहोर में कांवड़ यात्रा से लौट रहे भक्तों के कारण इंदौर-भोपाल रोड पर लगा जाम

सीहोर, देशबन्धु । कथावाचक प्रदीप मिश्रा का कुबेरेश्वर धाम आए दिन होने वाली मौतों से सुरक्षा कारणों को लेकर चर्चा में है। बीते एक सप्ताह के अन्दर बेकाबू भीड़ से अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें दो वे श्रद्धालु शामिल हैं, जो कांवड़ यात्रा से लौट रही भीड़ में फसे और जान गवां बैठे। ये मौतें सवाल खड़े कर रही हैं कि जब सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, तो इतनी बड़ी भीड़ को जुटाने की अनुमति कैसे दे दी जाती है? जा रही जानों के लिए जिम्मेदार कौन है?

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में हुई कथा और कांवड़ यात्रा के समापन के बाद भक्तों का लौटना शुरू हो गया है। इस कारण इंदौर भोपाल मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। प्रशाासन ने जो डायवर्शन मार्ग बनाए थे। वहां भी वाहन गुत्थम गुत्था होने लगे। गुरुवार सुबह ट्रैफिक जाम के हालात देखते हुए इंदौर के कई यात्रियों ने भोपाल जाने का इरादा टाल दिया तो कई लोगों ने ट्रेन का विकल्प चुना। इंदौर से गुरुवार सुबह रवाना हुई इंटरसिटी और वंदे भारत ट्रेन भी खचाखच भरी हुई थी, क्योंकि ज्यादातर लोगों ने जाम से बचने के लिए ट्रेन में यात्रा की। उधर, सीहोर से लौट रहे भक्तों का एक वाहन खड़े ट्रक से टकरा गया। तूफान वाहन में सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि अन्य 12 यात्री घायल हुए हैं। हादसा इंदौर के समीप बिचौली मर्दाना क्षेत्र में हुआ। बुधवार को पंडित प्रदीप मिश्रा की कांवड़ यात्रा में पांच लाख से ज्यादा लोग एकत्र हुए थे। बुधवार रात से उनके लौटने का सिलसिला शुरू हो गया था। इस कारण इंदौर-भोपाल मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इंदौर से भोपाल जाने में साढ़े तीन घंटे का समय लगता है, लेकिन जाम के कारण छह से आठ घंटे लगे। डेढ़ साल पहले बने हालातों को देखते हुए इस बार प्रशासन और पुलिस ने व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की थी, लेकिन भीड़ ज्यादा होने के कारण व्यवस्थाएं संभल नहीं पाईं।

कुबेरेश्वर धाम में जारी रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान बुधवार को एक और श्रद्धालु की मौत हो गई। मृतक की पहचान अनिल (40) पिता महावीर, निवासी ग्राम खेड़ा कला, दिल्ली के रूप में हुई है। बताया गया कि अनिल को अचानक तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक (हृदय गति रुकना) बताया गया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक अस्थमा का मरीज भी था।

इसके पहले 5 अगस्त को कावंड यात्रा से पहले धक्कामुक्की और भगदड़ में दो महिलाओं की मौत हो गई थी। इनका नाम जसवंती बेन था जो राजकोट से आईं थी। साथ ही फिरोजाबाद से आईं संगीता गुप्ता भी हादसे का शिकार हो गईं थी। वहीं 6 अगस्त को गुजरात से आए पचास साल के चतुर सिंह, हरियाणा के 65 साल के ईश्वर सिंह यादव और रायपुर से आए 57 वर्षीय दिलीप कुमार की मौत हो गई थी। प्रशासन ने इन तीन मौतों का कारण प्राकृतिक बताया था। सात अगस्त को दो और लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने बताया कि उत्तर प्रदेश से आए 22 वर्षीय उपेंद्र गुप्ता अचानक गिर गए। वहीं दिल्ली से 40 वर्षीय युवक अनिल की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

पूर्व मंत्री कुसुम महदेले ने की रोक लगाने और प्रदीप मिश्रा पर कार्रवाई की मांग

इन सभी घटनाओं को लेकर कुबेरेश्वर धाम के इंतजामों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। पूर्व मंत्री कुसुम मेहदेले ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए पंडित प्रदीप मिश्रा के आयोजन पर सवाल खड़े किए हैं। महदेले ने पंडित मिश्रा से साफ तौर पर अपील की है कि वे रुद्राक्ष बांटना बंद करें।

उन्होंने लिखा कि आयोजन में हो रही भीड़ और अव्यवस्था लगातार जानलेवा साबित हो रही है। ऐसे में आयोजनों पर रोक लगाई जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने मध्यप्रदेश शासन से भी मांग की कि रुद्राक्ष वितरण पर तत्काल अंकुश लगाया जाएं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने की नई रणनीति तैयार

विधायकों की सीट पर भी मंगवा लिए गए उम्मीदवारों के बायोडाटा

पटना, 7 अगस्त (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा चुनाव में सफलता को लेकर कांग्रेस अपनी नई रणनीति से आगे बढ़ रही है। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और अध्यक्ष राजेश राम जातीय सामाजिक समीकरण और मुद्दों को लेकर वोटरों को साधने में जुटे हैं। लेकिन पार्टी की ओर से कुछ फैसले ऐसे लिए जा रहे हैं जिससे पार्टी को चुनाव से पहले बड़ा झटका लग सकता है। सूत्रों की माने तो पार्टी की नई रणनीति से पार्टी के कई विधायक नाराज हैं और चुनाव से पहले पाला बदल भी सकते हैं। पार्टी ने पिछले दिनों सीटों पर उम्मीदवारी के लिए क्यू आर कोड जारी किया था। जो उम्मीदवार जिस सीट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं वो क्यूआर कोड के जरिए आवेदन कर सकते हैं। पार्टी के विश्वसनीय सूत्रों की माने तो पार्टी ने सीटिंग सीट के लिए भी उम्मीदवारों के बायोडेटा मंगवा लिए हैं। जिसको लेकर विधायकों में खासी नाराजगी देखने को मिल रही है। कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि पार्टी के सीटिंग सीट पर भी कई स्वयंभू उम्मीदवार मैदान में आ गए हैं। इतना ही नहीं पार्टी के बड़े नेताओं के साथ खुद की तस्वीर शेयर कर खुद को उस विधानसभा क्षेत्र का उम्मीदवार बता रहे हैं। साथ ही ये भी दावा कर रहे है कि वर्तमान विधायक का टिकट कट जाएगा और उन्होंने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। पार्टी सूत्रों की माने तो पार्टी नेतृत्व ने सीटिंग सीट पर भी बायोडेटा परफारमेंस के आधार पर मंगवाया है।

विधायकों ने पार्टी के फैसले पर की आपत्ति दर्ज

हलांकि पार्टी के विधायकों ने पार्टी के फैसले पर आपत्ति भी दर्ज की है। लेकिन पार्टी नेतृत्व की ओर से इस मामले पर साधी गई चुप्पी पार्टी विधायकों के लिए बड़ी मुसीबत बनी हुई है। उन्हें यह समझ नही आ रही कि अभी से वो टिकट कट जाने की आशंका लिए दूसरे दलों में अपना भविष्य देखें या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसले का इंतजार करें।

चोरी के शक में भीड़ ने युवक को पीटा, तलाशी में जेब से निकली सूखी रोटी और नमक

सतना, देशबन्धु। चोरी के शक में एक युवक को भीड़ ने बुरी तरह पीटा, जो आया उसने लाठियां और लात, घूंसे बरसाए। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से महज 2 सूखी रोटियां और नमक मिला। सतना जिला अस्पताल में घटी इस घटना में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। अस्पताल में भर्ती अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए युवक यहां आया हुआ था, जिसे लोगों ने चोर समझ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक कुछ लोगों ने उस पर चोरी का आरोप लगाते हुए हमला बोल दिया। बिना किसी सबूत या जांच के, भीड़ ने उसे घेर लिया और जानवरों की तरह पीटने लगे। दर्द से कराहता युवक लोगों से रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन हमलावरों का दिल नहीं पसीजा। उस पर लाठियां, लात और घूंसे बरसाते रहे, जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। युवक को पीटने के बाद जब तलाशी ली तो उसकी जेब से महज 2 रोटियां और नमक की एक छोटी सी पुड़िया निकली, जिसे देख लोग स्तब्ध रह गए। इसके बाद युवक से मारपीट करने वाले मौके से फरार हो गए। जख्मी युवक को गंभीर हालत में उसी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। हालांकि युवक बार-बार कह रहा था कि मैं चोर नहीं हूं, लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। जब उसकी जेब से रोटी और नमक निकला, तो हमलावरों के चेहरों पर शर्मिंदगी साफ दिख रही थी, फिर भी वे बिना कुछ कहे भाग गए। वहीं प्रशासन की चुप्पी भी इस घटना में खल रही है। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, लेकिन अभी तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई की खबर नहीं है। पीड़ित युवक को जिस तरह से पीटा गया।

निसार उपग्रह प्रतिदिन 14 बार करेगा पृथ्वी की परिक्रमा

- 12 दिन में दो बार बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा
- 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से किया गया था प्रक्षेपित

चेन्नई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित उपग्रह निसार प्रतिदिन 14 बार पृथ्वी की परिक्रमा करेगा और प्रत्येक 12 दिन में दो बार पृथ्वी की स्थलीय और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा। इसे 30 जुलाई को भारतीय अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था।

निसार न केवल नासा और इसरो के बीच पृथ्वी मिशन का पहला हार्डवेयर सहयोग है बल्कि यह एक अंतरिक्ष यान पर एल-बैंड और एस-बैंड रडार को एक साथ लाने वाला पहला उपग्रह भी है। यह उपग्रह रूप से शक्तिशाली सिंथेटिक एपर्चर रडार बनाता है जो उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेटा प्रदान करेगा जिससे वैज्ञानिकों को पृथ्वी की भूमि एवं बर्फ की सतहों पर व्यापक रूप से निगरानी करने में मदद मिलेगी और समय के साथ उनमें होने वाले परिवर्तनों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जा सकेगा।

इस उपग्रह के वैज्ञानिक उपकरणों में एक एल-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार प्रणाली और एक एस-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार प्रणाली है। अंतरिक्ष यान की प्रत्येक दोनों प्रसार सक्षम मोटराइज्ड सौर सारणियों की लंबाई 5.5 मीटर है जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 23 वर्ग मीटर है और ये दोनों एक साथ लगभग पांच किलोवाट ऊर्जा प्रदान करते हैं। रडार एंटीना रिफ्लेक्टर का व्यास 12 मीटर है और इसका रिफ्लेक्टर लगभग 39 मीटर लंबे बूम पर स्थापित होगा। इसमें थ्रस्टरों की संख्या 15 है। प्रक्षेपण के समय प्रणोदक सहित उपग्रह का अनुमानित वजन 2,380 किलोग्राम था।

तीन वर्ष है निसार मिशन की अवधि

प्रक्षेपण के बाद कमीशनिंग चरण 90 दिन चलने की उम्मीद है। इस अवधि के दौरान मिशन टीम अंतरिक्ष यान प्रणालियों की जांच करेगी, बूम एवं विशाल रडार एंटीना रिफ्लेक्टर की तैनाती करेगी और रडार उपकरणों के प्रदर्शन का आकलन करेगी। कमीशनिंग चरण पूरा होने के बाद वैज्ञानिक कार्य शुरू होंगे। निसार 14 दिन में 747 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करेगा। यह उपग्रह प्रतिदिन 80 टेराबाइट्स डेटा पृथ्वी पर भेजेगा। निसार मिशन की अवधि तीन वर्ष है।

फैसला जम्मू-कश्मीर प्रशासन को अब बंदूक से नहीं किताबों से लगने लगा डर !

आतंक को बढ़ावा देने के आरोप में 25 किताबों पर लगा प्रतिबंध

जम्मू, 7 अगस्त (देशबन्धु)। सच में यह चौंकाने वाली खबर है कि अंग्रेजों के जमाने में भी एक साथ कभी इतनी किताबों को राष्ट्रद्रोही करार नहीं दिया गया था जितनी एक ही दिन में जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने देश के लिए खतरा करार देते हुए उन्हें प्रतिबंधित कर दिया है। प्रदेश सरकार ने 25 उन किताबों को राष्ट्रद्रोही और देश के खिलाफ करार देते हुए प्रतिबंधित करते हुए उनके प्रकाशन, बेचने और पढ़ने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लागू कर दिया है।

■ सरकार के कदम से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उठा सवाल

जिनमें से कुछ तो बरसों पहले प्रकाशित हो चुकी हैं और लोग उन्हें पढ़ भी चुके हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या इन प्रतिबंधित किताबों के लेखकों पर भी देशद्रोह के आरोप लगा उन पर मुकदमे चलाए जाएंगें। यह सच है कि एक साथ 25 किताबें शायद ही कभी कहीं बैन की गई हों ऐसा इतिहास में नजर नहीं आता है। पर जम्मू-कश्मीर में कर दी गईं। हालांकि आम नागरिकों का कहना था कि अब इन किताबों की मांग और बढ़ जाएगी और जम्मू-कश्मीर के अलावा देश और विदेश हर जगह ज्यादा पढ़ी जाएंगी। वैसे एक तरफ केंद्र सरकार दावा कर रही है की जम्मू-कश्मीर में स्थिति सुधर रही है। दूसरी तरफ

बरसों पहले प्रकाशित किताबों को प्रतिबंधित करके कह रही है कि इससे अलगाववाद बढ़ रहा था। सवाल यह था कि अगर किताबों से अलगाववाद बढ़ रहा था तो उनके मुकाबले में एकता और अखंडता की किताबों को प्रमोट क्यों नहीं किया गया। इस पर एक लेखक का कहना था कि शायद अब प्रदेश सरकार बंदूकों से नहीं बल्कि किताबों से डरने लगी है। वे कहते थे कि इस प्रतिबंध ने उस कहावत को झूठला दिया है जिसमें कहा जाता रहा है कि कलम और किताब में तलवार से अधिक शक्ति होती है। फिलहाल प्रदेश सरकार के इस आदेश की जबरदस्त चौतरफा आलोचना हो रही है क्योंकि इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कुठाराघात माना जा रहा है। जिन किताबों पर प्रतिबंध लगाया गया है वे निम्न हैं। आजादी लेखिका अरुंधति रॉय, कश्मीरीज फाइट फॉर फ्रीडम लेखक मोहम्मद यूसुफ सराफ, तारीख-ए-सियासत कश्मीर लेखक डा. आफाक। कोलोनाइजिंग कश्मीर: स्टेट-बिल्डिंग अंडर इंडियन ऑक्युपेशन लेखक हाफ्सा कंजवाल। कश्मीर पालिटिक्स एंड प्लेबिसाइट लेखक डा. अब्दुल गनी गोक्खामी जब्बार, डू यू रिमेम्बर कुनन पोशपोरा, लेखक एस्सर बटूल व अन्य, ह्यूमन राइट्स वायलेशन्स इन कश्मीर, लेखक पियॉटर बालसेरोविक्ज, अघनिएश्का कुजेवस्का, अल जिहादु फिल इस्लाम लेखक- मौलाना मौदूदी, इंडिपेंडेंट कश्मीर लेखक क्रिस्टोफर स्नेडन, फ्रीडम इन कैप्टिविटीरू नेगोशिएशन्स ऑफ बिलॉन्गिंग अलॉन्ग कश्मीरी फ्रंटियर लेखिका राधिका गुप्ता, रेजिस्टिंग ऑक्युपेशन इन कश्मीर लेखक हेली दुशिंस्की, मोना बी. भट्ट, अतर जिया, सिंथिया महमूद, बिटवीन डेमोक्रेसी एंड नेशनरू जेंडर एंड मिलिटरीजेशन इन कश्मीर लेखक सीमा काजी, कॉन्टेस्टेड लैंड्स लेखक सुमंत्र बोस, इन सर्च ऑफ अ फ्यूचररू द स्टोरी ऑफ कश्मीर लेखक डेविड देवदास आदि हैं।

, कश्मीर इन कॉन्फ्लिक्टरू इंडिया, पाकिस्तान एंड द अनएंडिंग वॉर लेखक विक्टोरिया शोफील्ड, द कश्मीर डिस्प्यूट 1947 से 2012 लेखक ए जी नूरानी, कश्मीर एंड द फ्यूचर ऑफ साउथ एशिया संपादक- सुगाता बोस, आयशा जलाल।

भारत में कृषि क्रांति तेज गति से जारी

शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, निरंतर सुधारों और किसान-केंद्रित पहलों के कारण कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है और देश ने धान, गेहूं, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। कृषि वर्ष 2024-25 के लिए प्रमुख कृषि फसल उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2024-25 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 353.96 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन होगा और वर्ष 2014-15 (252.02 मिलियन टन) की तुलना में यह 40 प्रतिशत अधिक रहेगा। 1960 के दशक से पहले की जड़ता और खाद्य असुरक्षा को पीछे छोड़ते हुए आज भारतीय कृषि खाद्य अधिशेष प्राप्त करने की स्थिति में आ गयी है, जिससे माल्थस की यह धारणा गलत साबित होती है कि जनसंख्या वृद्धि, खाद्य उत्पादन की तुलना में अधिक हो जाएगी। 1967 में, विलियम और पॉल पैडॉक ने भारत में अकाल की भविष्यवाणी की थी। उनका दावा था कि देश अपनी बढ़ती आबादी का पेट नहीं भर पाएगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तर्क दिया था, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे भविष्य में भुखमरी और बढ़ेगी। उच्च उपज वाले चावल और गेहूं की किस्मों, कृषि रसायनों और सिंचाई से संचालित हरित क्रांति ने पैडॉक की भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया। भारत का खाद्यान्न उत्पादन 1966-67 के 74 मिलियन टन से बढ़ाकर 1979-80 तक 130 मिलियन टन हो गया। वार्षिक वृद्धि 8.1 मिलियन टन (2014-2025) के शिखर-बिंदु को छूते हुए 354 मिलियन टन तक पहुंच गई। बागवानी फसलें भी 1960 के दशक के 40 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 334 मिलियन टन हो गई, जिसमें हाल ही में 7.5 मिलियन टन की वार्षिक वृद्धि हुई है। विपरीत परिस्थितियों को सहन करने में सक्षम किस्मों और अनुकूल कृषि पद्धतियों में प्रगति के कारण फसल उत्पादन में भी अधिक स्थिरता आई है। भारत के डेयरी, मुर्गीपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 1970 के दशक में शुरू हुई श्वेत क्रांति ने दूध उत्पादन को 20 मिलियन टन से बढ़ाकर 2023-24 तक 239 मिलियन टन कर दिया, जो पूरे यूरोप के बराबर है। 1980 के दशक की नीली क्रांति ने मछली उत्पादन को 2.4 मिलियन टन से बढ़ाकर 2024-25 तक 19.5 मिलियन टन कर दिया, जिससे भारत दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य उत्पादक और निर्यातक बन गया। मुर्गीपालन, घरेलू गतिविधि से आगे बढ़कर एक उद्योग के रूप में विकसित हुआ, जिसमें अंडों का उत्पादन 10 बिलियन से बढ़कर 143 बिलियन हो गया और इसी अवधि में मुर्गी के मांस का उत्पादन 113 हजार टन से बढ़कर 5,019 हजार टन हो गया।

2014-15 और 2023-24 के बीच, पशु-स्रोत से प्राप्त खाद्य के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई : दूध में सालाना 10.2 मिलियन टन, अंडों में 6.8 बिलियन इकाई, ब्रॉयलर मांस में 217 हजार टन और मछली (मुख्य रूप से जलीय कृषि) में 0.78 मिलियन टन की वृद्धि हुई। प्रजनन, संसाधन प्रबंधन और कुशल जनशक्ति में तकनीकी प्रगति ने इस तेज वृद्धि को गति दी है। फल, सब्जियां और पशु उत्पाद जैसे उच्च-मूल्य वाले खाद्य पदार्थ अब खाद्यान्न वृद्धि से आगे निकल रहे हैं, जो कृषि विविधीकरण, बेहतर पोषण, किसानों की आय और जलवायु विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

भारत की खाद्य उत्पादन सफलता पोषण, किसानों की आय, जलवायु की विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता और निर्यात को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी व नीति की परिवर्तनकारी भूमिका को दर्शाती है। आईसीएआर के शोध से पता चलता है कि कृषि में निवेश पर उच्च आय प्राप्त होती है- अनुसंधान और विस्तार पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये पर क्रमशः 13.85 रुपये और 7.40 रुपये। पीएमकेएसवाई (सिंचाई), पीएम-किसान (प्रत्यक्ष किसान सहायता), राष्ट्रीय पशुधन मिशन और नीली क्रांति जैसी हाल की सरकारी पहलों ने संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, जोखिमों को कम करके और कृषि-खाद्य प्रणाली में प्रौद्योगिकी अपनाने को प्रोत्साहन देकर कृषि विकास को और मजबूती दी है।

भारत में खाद्यान्न खाद्य पदार्थों का वार्षिक वृद्धिशील उत्पादन

वर्ष 2047 तक, भारत ने विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है, इसलिए इसकी अर्थव्यवस्था को सालाना 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि करनी होगी।अनुमान है कि 2047 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी- जिसमें से आधी आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। इस बदलाव से खाद्यान्न की कुल मांग दोगुनी हो जाएगी, फलों, सब्जियों और पशु-आधारित खाद्य पदार्थों की मांग तिगुनी होने की उम्मीद है, जबकि अनाज की मांग स्थिर रहेगी, जिससे अधिशेष की स्थिति बनी रहेगी।

हालांकि, बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण कृषि भूमि 180 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 176 मिलियन हेक्टेयर और औसत भूमि जोत 1 से घटकर 0.6 हेक्टेयर रह जाएगी। इससे जल और कृषि रसायनों पर दबाव बढ़ेगा, जिससे संसाधनों का क्षरण होने का खतरा होगा। जलवायु परिवर्तन और भी बड़ा जोखिम है, जो स्थायी कृषि और ग्रामीण आजीविका को खतरे में डालता है। भारत की उभरती कृषि-खाद्य चुनौतियां, उत्पादन-रणनीतियों में बदलाव की मांग करती हैं। प्रतिवर्ष 20 मिलियन टन चावल, जिसकी खेती में अधिक मात्रा में जल की जरूरत होती है, के निर्यात के बावजूद, भूजल की सतत उपलब्धता खतरे में है। इस बीच, भारत खाद्य तेलों और दालों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसानों के हितों की रक्षा करने और संसाधनों के संरक्षण के लिए, फसल नियोजन में स्थायी कृषि पद्धतियों के साथ-साथ तिलहन और दलहन जैसी जल-कुशल फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए।˙ खाद्यान्न बाधाओं के कारण कृषि कार्य में उपयोग न की जाने वाली 12 मिलियन हेक्टेयर चावल-परती भूमि परभारत दलहन और तिलहन की खेती का विस्तार कर सकता है। हालांकि, कम पैदावार- तिलहन में 18-40 प्रतिशत और दलहन में 31-37 प्रतिशत का अंतर - तकनीकी उन्नयन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) 728 जिलों में 1.35 करोड़ किसानों तक पहुंचा, किसान-वैज्ञानिक प्रत्यक्ष बातचीत के माध्यम से बेहतर कार्यप्रणालियों को बढ़ावा मिला। उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए, सरकार ने मिशन-मोड में कई योजनाएं भी शुरू की हैं, जो तिलहन, दलहन और कपास के उच्च उपज वाले बीजों पर केंद्रित हैं।

कृषि अनुसंधान में लागत कम करने और जोखिमों का प्रबंधन करते हुए उत्पादकता, सहनीयता और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। समय पर जानकारी की बढ़ती मांग के साथ, एआई और डेटा विश्लेषण जैसे आधुनिक उपकरण वैश्विक कृषि अनुसंधान में बदलाव ला रहे हैं। भारत वर्तमान में अनुसंधान एवं विकास में सालाना 116 बिलियन रुपये (कृषि-जीडीपी का 0.5 प्रतिशत) का निवेश करता है, इसके साथ ही वित्त पोषण बढ़ाने और मांग-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की योजनाएं भी तैयार की गयी हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों, राज्य विस्तार प्रणालियों और केंद्र-राज्य समन्वय को मज़बूत करने से अनुसंधान, किसानों के साथ और भी गहराई से जुड़ सकेगा। 'एक राष्ट्र, एक कृषि, एक टीम' विज़न के अंतर्गत, आईसीएआर के नोडल अधिकारी विकसित भारत को समर्थन देने के लिए राज्य स्तरीय कार्य योजनाओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

लेखक: केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री हैं

ठेकेदार ने लोक निर्माण विभाग के कार्यालय में घुसकर बाबू को पीटा

मैनपुरी, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के मैनपुरी में ठेकेदार की दबंगाई सामने आई है। ठेकेदार ने मैनपुरी में लोक निर्माण विभाग के कार्यालय में घुसकर एक बाबूल की जमकर पिटाई लगा दी। बिल के भुगतान को लेकर हुए इस विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें दिखाई दे रहा है कि कार्यालय में बड़ी संख्या में मौजूद कर्मचारियों के बीच ठेकेदार बाबू को कुर्सी से घसीटकर पीट रहा है। जानकारी के अनुसार अधिशासी अभियंता निर्माण खंड तृतीय के कार्यालय में तैनात बड़े बाबू बबलू कुमार बुधवार की शाम अपने विभागीय कार्य में लगे थे। इसी दौरान वहां राधा रमन रोड आवास विकास का रहने वाला ठेकेदार आया। उसने बाबू से बिल भुगतान के बारे में जानकारी चाही। जिस पर बाबू ने कहा कि बिल अंतर की जांच के लिए अवर अभियंता के पास है। बाबू की बात सुनने के बाद ठेकेदार आग-बबूला हो गया और उसने बबलू पर जातिसूचक गालियों की बौछार करते हुए पीटना शुरू कर दिया। बड़े बाबू को कुर्सी से खींचकर पीटते देख कार्यालय के कर्मचारी दौड़े और उन्होंने बीच-बचाव किया।

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal
Mob.: 9826264575, 8889560478, 0755-2660949
8085377716, Website: www.jncbpl.com
DIRECT ADMISSION*
College Offering Best Career Options With Minimum Fee Structure
* M.Sc. (Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Micro bio., Biotech., Computer Sc., Maths) * PGDCA
* B.Sc. (Bio Group & Maths, Chemistry, Computer Sci., Env.Sc., Biology, Micro Bio., Biotech)
* B.Com. Plain & Computer * M.Com * BCA * BA
* BBA * M.A. (Eng., Polt. Sc., Socio., Eco. & Urdu)
* B. Lib * M. Lib. * B.P.E.S. * PG Diploma in Yoga
* D.El. Ed. * B.Ed. * B.P.Ed. * M.Ed. * M.P.Ed.
** Note : All Admission According to MP Higher Education Guide line and Rules 2023-24

बिना हेलमेट के पेट्रोल देने पर 2 पंप सील

सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखकर की कार्रवाई

60 दोपहिया वाहन में पेट्रोल भरते दिखे कर्मचारी

भोपाल, देशबन्धु। खाद्य विभाग ने बिना हेलमेट के पेट्रोल देने पर गुरुवार को नर्मदापुरम मार्ग के 2 पेट्रोल पंप सील कर दिए। दरअसल अफसरों ने इन पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी थी तो गड़बड़ सामने आई। इनमे से एक पंप पर ही कर्मचारी 5 घंटे में 60 से ज्यादा दोपहिया वाहन में पेट्रोल भरते हुए दिखाई दिए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन गुरुवार को दल के साथ पेट्रोल पंपों की जांच करने निकले थे। दल में सहायक आपूर्ति अधिकारी संदीप भार्गव, हुमा हुजूर एवं सुनील वर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सफदर खान, पुष्पराज पाटिल, वसुंधरा पेंड्रो, तृणाल जांभोलकर एवं प्रवीण दुबे शामिल थे। इस दल ने होशंगाबाद मार्ग के दो पंप की जांच की तो गड़बड़ सामने आई। इनमे मेसर्स महादेव फ्यूल्स नायरा के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की गई तो गुरुवार सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक करीब 60 दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट के पेट्रोल दिया जाना सामने आया। इस पर पेट्रोल पंप के पेट्रोल विक्रय पर तत्काल रोक लगाते हुए उसे सील कर दिया गया। इसी तरह मेसर्स एसएस एनर्जी आईओसीएल की जांच के

दौरान स्टॉक बोर्ड एवं स्टॉक पंजी सही नहीं मिली। सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग में 12 दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट के पेट्रोल देना भी सामने आया। इस पर इन दोनों ही पेट्रोल पंप संचालकों को कलेक्टर के आदेश का उल्लंघन का दोषी पाया गया। लिहाजा आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 30 जुलाई को आदेश दिए थे। 31 जुलाई को पेट्रोल पंप संचालकों के पास आदेश पहुंचे और 1 अगस्त से लागू कर दिया। पहले दिन सख्ती, समझाइश और कार्रवाई तीनों ही हुईं। जुर्माने या पंप सील होने की कार्रवाई के डर से अधिकांश पंप पर बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं दिया गया, लेकिन इसके बाद आदेश हवा-हवाई हो गया। इसके चलते खाद्य विभाग ने पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की वीडियो रिकॉर्डिंग निकालकर कार्रवाई करना शुरू किया है।

दानिशकुंज में मकान विवाद का मामला

महिला आईएएस को अदालत से राहत, 13 तक मिला स्थगन

भोपाल, देशबन्धु। शिक्षा विभाग में उप सचिव आईएएस मंजूषा राय को जिला अदालत से राहत मिली है। अदालत ने उनके दानिशकुंज स्थित मकान विवाद में 13 अगस्त तक स्थगन दिया है। अदालत ने कहा है कि सुनवाई तक दूसरा पक्ष मौजूदा मकान में किसी प्रकार की क्षति नहीं कर पाएंगे।

दानिशकुंज कॉलोनी में 2 अगस्त को मकान को लेकर विवाद सामने आया था। इस मकान में आईएएस मंजूषा राय और उनका परिवार रहता है। विवाद कुल 1864 स्क्वायर फीट जमीन पर बने डुप्लेक्स मकान के अनुबंध, नामांतरण और रजिस्ट्री से जुड़ा है। आईएएस श्रीमति राय का आरोप था कि 40 से ज्यादा गुंडे उनके मकान में पहुंचे और जेसीबी से तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अफसर भी मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों को समझाइश दी गई, लेकिन उनके हटने के बाद में उन्होंने जेसीबी लगाकर मकान को तोड़ना शुरू कर दिया। दूसरे दिन भी कुछ लोग पहुंचे और तोड़फोड़ शुरू करने लगे। इसी मामले में आईएएस श्रीमति राय के पति विक्रांत राय की ओर से जिला अदालत में याचिका लगाई थी। जिस पर गुरुवार दोपहर को स्थगन दिया गया। स्थगन में कहा गया है कि प्रतिवादी स्वयं या अन्य के माध्यम से मकान को क्षति या संपत्ति को नाश नहीं करेगा। 13 अगस्त तक कोई अनुबंध, विक्रय, बंधक या हस्तांतरित नहीं करेगा।

राजस्व अधिकारियों ने दूसरे दिन भी बनाई काम से दूरी

जमा कराई सरकारी गाड़ियां

भोपाल, देशबन्धु। राजस्व अधिकारियों के न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन को लेकर गुरुवार को भी विरोध जारी रहा। इसके तहत भोपाल के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार ने काम से दूरी बनाए राखी। इसके साथ ही सामूहिक रूप से कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी सरकारी गाड़ियां जमा करा दी।

गौरतलब है कि भोपाल में बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर तहसीलें हैं। इनके तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया गया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे मैदान में नहीं है। वहीं, मैदान वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे। इस व्यवस्था का वे भी विरोध कर रहे हैं। इसके चलते उन्होंने बुधवार को राजस्व न्यायलय समेत अन्य काम नहीं किए थे। इसी तरह गुरुवार को भी ऐसी ही स्थिति है। इस वजह से आमजनों के कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। राजस्व न्यायलय में प्रकरणों की सुनवाई नहीं हो रही तो जनता से जुड़े काम भी अटक रहे हैं। वही सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार आज सुबह एकसाथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और इसके बाद उन्होंने अपनी सरकारी गाड़ियों की चाबियां सौंप दी।

स्मैक सहित तस्कर गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक स्मैक तस्कर को नेहरू नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। तस्कर के कब्जे से 5.84 ग्राम स्मैक बरामद की है। एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि विज्ञान भवन के सामने लाल परेड ग्राउंड क्षेत्र नेहरू नगर में एक युवक के पास अवैध मादक पदार्थ स्मैक रखा है। वह स्मैक बेचने के लिए वह ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंच गई। मुखबिर के बताए हुलिए के युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम आदित्य नामदेव उर्फ आदिल उम्र 20 वर्ष निवासी गौरीशंकर परिसर बीडीए कटारा हिल्स का होना बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से पन्नी में रखा पाउडरनुमा अवैध मादक पदार्थ स्मैक रखा मिला। नापतौल करने पर उसका वजन 5.84 ग्राम पाया गया, जिसकी कीमत एक लाख 75 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

20 पंचायतें सम्मानित, बिशनखेड़ी को पहला पुरस्कार

भोपाल,देशबन्धु। पंचायत उन्नति सूचकांक में भोपाल की 20 पंचायतें सम्मानित की गई हैं। इनमें बिशनखेड़ी को पहला पुरस्कार मिला है। बंगरसिया, नांदनी, बरखेड़ा सालम टॉप-10 में रही। गुरुवार को जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर समेत सदस्यों ने पंचायतों को सम्मानित किया।

पंचायत उन्नति सूचकांक वर्ष 2022-23 का विमोचन एवं प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला गुरुवार को आयोजित की गई। कार्यशाला में पंचायत एवं जिला विकास सूचकांक के 9 विषयों पर जिले की अलग-अलग ग्राम पंचायतों का चयन किया गया, जिसमें सशक्त पंचायत सतत् विकास की अवधारणा के साथ पंचायतों को सशक्त बनाने, उनके कामकाज को पारदर्शी और कुशल बनाने के किए गए कार्य के आधार

पर जिले की ग्राम पंचायत को पंचायत विकास सूचकांक के तहत सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली भोपाल जिले की ग्राम पंचायत बिशनखेड़ी को प्रथम पुरस्कार मिला। वहां के जनप्रतिनिधियों को 11 हजार रुपए का पुरस्कार मिला। बंगरसिया को द्वितीय पुरस्कार 71 सौ रुपए, नांदनी को तृतीय पुरस्कार 51 सौ रुपए दिए गए। बरखेड़ा सालम,बरखेड़ी अब्दुल्ला, झिरनिया, डोब, कुठार, बरखेड़ा बरामद एवं धूतखेड़ी 21 सौ रुपए एवं प्रशस्ति पत्र दिए गए। अन्य 10 चयनित ग्राम पंचायत कोड़िया, बकानिया, बरखेड़ा नाथू, समसगढ़, छापरी, मेंडोरी, जगदीशपुर बरखेड़ा बोंदर, मुगलियाहाट एवं बर्रीछीरखेड़ा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए। सभी का टीएमपी पोर्टल पर पंजीयन किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य विनय मैहर ने कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है कि आप लोग अपने-अपने क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का उपयोग करके पंचायतों के विकास कार्य करें। ताकि अन्य पंचायतें आपसे प्रेरणा लेकर अपनी पंचायतों को बेहतर बना सकें। उन्होंने कहा कि यह महज सम्मान नहीं, बल्कि एक उदाहरण और चुनौती भी है। बाकी पंचायतों को अपनी कमियों को पहचानकर सुधार की दिशा में प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सीईओ इला तिवारी, अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपक गुर्जर, सदस्य प्रतिनिधि अनिल हाड़ा, विनोद राजोरिया, मिश्रीलाल मालवीय भी मौजूद थे।

बालिका गृह की बालिकाओं ने वल्लभ भवन में लगाया हस्तनिर्मित राखियों का स्टॉल

भोपाल, देशबन्धु। रक्षाबंधन के पारंपरिक पर्व को आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता से जोड़ते हुए शासकीय बालिका गृह, नेहरू नगर, की बालिकाओं ने एक प्रेरणास्पद पहल की है। इसके तहत बालिकाओं द्वारा स्वयं निर्मित आकर्षक राखियों का स्टॉल राजधानी के प्रशासनिक केन्द्र वल्लभ भवन में लगाया गया, जिसने न केवल सभी का ध्यान आकर्षित किया बल्कि उन्हें भावनात्मक रूप से भी जोड़ा। यह स्टॉल वल्लभ भवन-2 के गेट क्रमांक 8 एवं वल्लभ भवन-3 के गेट क्रमांक 13 पर स्थापित किया गया। अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरुण शमी तथा सचिव श्रीमती जी.वी. रश्मि ने स्टाल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बालिकाओं की कलात्मक प्रतिभा की सराहना की और राखियाँ खरीदकर उनके आत्मविश्वास को प्रोत्साहन प्रदान किया। स्टॉल पर पहुंचे विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी बालिकाओं की मेहनत और लगन को सराहा तथा राखियाँ खरीदकर उनके प्रयास को सफल बनाया।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम उसके आधार कार्ड में त्रुटिवष जसपाल सिंह ठाकुर पिता गोपाल सिंह (Jaspal Singh Thakur S/O Gopal Singh) अंकित हो गया है जबकि उसके जन्म प्रमाण-पत्र एवं अंक सूची में दिव्यांश ठाकुर पिता गोपाल सिंह (DIVYANSH THAKUR S/O GOPAL SINGH) अंकित है । यह कि जसपाल सिंह ठाकुर पिता गोपाल सिंह (Jaspal Singh Thakur S/O Gopal Singh) व दिव्यांश ठाकुर पिता गोपाल सिंह (DIVYANSH THAKUR S/O GOPAL SINGH) दोनों एक ही व्यक्ति है ।

राजपत्र प्रकाशन उपरांत मेरे पुत्र को दिव्यांश ठाकुर पिता गोपाल सिंह (DIVYANSH THAKUR S/O GOPAL SINGH) नाम से जाना-पहचाना, लिखा-पढ़ा व मान्य किया जावे ।

पुराना नाम	नया नाम
जसपाल सिंह ठाकुर पिता गोपाल सिंह (Jaspal Singh Thakur S/O Gopal Singh)	दिव्यांश ठाकुर पिता गोपाल सिंह (DIVYANSH THAKUR S/O GOPAL SINGH) पता- ग्राम मुगालिया छाप भोपाल पिन462044

न्यायालय तहसीलदार, नजूल तहसील टी.टी.नगर जिला भोपाल म.प्र.(कुनाल राउत)

प्रकरण क्रमांक 0107/अ-6/2025-26

सार्वजनिक नोटिस

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती गुडिया जायसवार पत्नी श्री ज्ञान चन्द्र जायसवाल निवासी-मकान नंबर एचआईजी/ए-85 मुखर्जी नगर तहसील व जिला विदिशा म.प्र. द्वारा ग्राम-खुदागंज तहसील हुजूर जिला भोपाल स्थित भूमि खसरा नंबर 87/2/2/2 का अंशभाग प्लॉट नंबर 11 जिसका क्षेत्रफल 2400 वर्गफिट अर्थात 223.04 वर्गमीटर है पंजीकृत विक्रय पत्र क्रमांक एमपी 05970 2024 ए 183857174 दिनांक 01.07.2024 के माध्यम से क्रय किया है जिसका नामांतरण राजस्व अभिलख में अपने नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया है ।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो सार्वजनिक नोटिस प्रकाषन दिनांक से 07 दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है । निर्धारित अवधि व्यतीत होने के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 07.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
राजधानी परियोजना, भोपाल

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरी पक्षकार जना स्माल फाइनेंस बैंक लि. गुना तहसील व जिला गुना द्वारा, **पुष्पेन्द्र लोधी** के हित में ऋण प्रदाय किया जा रहा है, उक्त प्रक्रिया में दस्तावेज जो विक्रेता परमानंद शिवहरे पुत्र श्री शिवचरण शिवहरे द्वारा, विक्रीत की भूमि प.ह.नं. 21 सर्वे नं 627/2/2 मिन, ग्राम टकनेरा तह. व जिला गुना क्षेत्रफल 1000 वर्गफीट का विक्रय किया था, जो क्रेता अरविन्द सिंह यादव पुत्र श्री उदयभान सिंह यादव द्वारा क्रय किया गया था, जिसका दस्ता. क्रं. 2596 पुस्तक क्रं. अ1/6959 दिनांक 25/09/2014 है, उक्त दस्तावेज (रजिस्ट्री) कहीं गुम हो गया हैं। एवं दूसरा दस्तावेज जो विक्रेता विजय कुमार पुत्र श्री खेमचन्द्र राव द्वारा विक्रय किया गया रकवा 1840 वर्गफीट जो क्रेता परमानंद शिवहरे पुत्र श्री शिवचरण शिवहरे द्वारा क्रय किया गया था, जिसका दस्ता. क्रं. 526 पुस्तक क्रं. अ1/6619 दिनांक 14/08/2013 का मूल दस्तावेज पर Endorsement करने के लिए उपलब्ध नही हैं। कही पर गुम हो गया हैं।

यदि किसी व्यक्ति को मिली हो तो कृपया मुझे प्रदान करें अथवा मुझसे संपर्क करें ।

उक्त दस्तावेज का इस्तेमाल कोई करे या खरीदे तो इसके लिए खरीददार स्वयं जिम्मेदार होगा। यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो आज से सात दिवस के भीतर दस्तावेज सहित मुझ से सम्पर्क करें। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी

सूचना कर्ता- शलभ पारीक, एड्वोकेट
31/248 आदर्श कॉलोनी गुना फोन-9425746155

In The Court Of III Civil Judge, Junior Division, District Court, Betul
Presiding Officer: सुश्री ऋतु प्रजापति
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000251/2025)

विजय देशमुख ..... वादी
Vs
महाप्रबंधक डब्ल्यूसीएल एरिया पाथाखेडा.....प्रतिवादी
Process Id-5923/2025
पेशी दिनांक:- **09/09/2025**

प्रेषिती-
(1) सर्वसाधारण पता-बैतूल

यह कि प्रार्थी **विजय देशमुख** ने आपके विरूद्ध सिविल **सूट क्लास ए** के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख **30 July 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

सील

न्यायाधीश (सुश्री ऋतु प्रजापति)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड बैतूल (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें:-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

PUBLICATION

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL

(2nd and 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhawan, BSNL Building, Near Head Post Office, Jabalpur M.P.)
(Areas of Jurisdiction Madhya Pradesh & Chhattisgarh)
(Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule 2(A) of the rule 5 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

ORIGINAL APPLICATION NO. 969 OF 2022

CANARA BANK ..... APPLICANT
Versus
M/s Shashwat Automobiles & Ors. ..... DEFENDANTS

1. M/s Shashwat Automobiles Through its Proprietor Mr. Mahendra Singh Thakur, Shop No. 43, Lambakheda, Main Berasiya Road, District- Bhopal (M.P.)- 462038

2. Mr. Mahendra Singh Thakur S/o Parwat Singh Thakur, Proprietor of **M/s Shashwat Automobiles**, Flat No. 406, A-Block, Top Residency, Pipliya Bajkhan, Tehsil- Huzur, District- Bhopal (M.P.)- 462010

Whereas, **O.A.No. 969/2022** was listed before Hon'ble Presiding Officer on **29/08/2022.** Whereas, this Hon'ble Tribunal please to issue summons / notice on the said application under 19 (4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of **Rs. 24,31,655/-** Application alongwith copies of document etc are enclosed.)

In accordance with sub section (4) of section 19 of the Act, you the defendants are directed as under:-

(i) To show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted.
(ii) To disclose particulars of properties for assets other than properties and assets specified by the applicant under serial No. 3A of the Original Application.
(iii) You are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial no. 3A of the Original Application, pending hearing and disposal of the Application for attachment of properties.
(iv) You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and / or other assets and properties specified or disclosed under Serial No. 3A of the Original Application without the prior approval of the Tribunal.
(v) You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets.

You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before registrar **15/09/2025** failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and seal of the Tribunal this the 17th day of May 2025.

Seal **REGISTRAR**

PUBLICATION

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL

(2nd and 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhawan, BSNL Building, Near Head Post Office, Jabalpur M.P.)
(Areas of Jurisdiction Madhya Pradesh & Chhattisgarh)
(Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule 2(A) of the rule 5 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

ORIGINAL APPLICATION NO. 123 OF 2023

CANARA BANK ..... APPLICANT
Versus
Heeralal Alias Mohan Singh Meena ..... DEFENDANTS

1. Heeralal Alias Mohan Singh Meena Son of Shri Amar Chand Meena, Resident Village- Pipalkhedi, Tehsil & District- RAISEN, (M.P.)

Whereas, **O.A.No. 123/2023** was listed before Hon'ble Presiding Officer on **09/03/2023.** Whereas, this Hon'ble Tribunal please to issue summons / notice on the said application under 19 (4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of **Rs. 22,23,631/-** Application alongwith copies of document etc are enclosed.)

In accordance with sub section (4) of section 19 of the Act, you the defendants are directed as under:-

(i) To show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted.
(ii) To disclose particulars of properties for assets other than properties and assets specified by the applicant under serial No. 3A of the Original Application.
(iii) You are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial no. 3A of the Original Application, pending hearing and disposal of the Application for attachment of properties.
(iv) You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and / or other assets and properties specified or disclosed under Serial No. 3A of the Original Application without the prior approval of the Tribunal.
(v) You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets.

You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before registrar **17/09/2025** failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and seal of the Tribunal this the 16th day of May 2025.

Seal **REGISTRAR**

PUBLICATION

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL

(2nd and 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhawan, BSNL Building, Near Head Post Office, Jabalpur M.P.)
(Areas of Jurisdiction Madhya Pradesh & Chhattisgarh)
(Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule 2(A) of the rule 5 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

ORIGINAL APPLICATION NO. 125 OF 2023

CANARA BANK ..... APPLICANT
Versus
Shri Randheer Singh Meena ..... DEFENDANTS

1. Shri Randheer Singh Meena Son of Shri Daulat Singh Meena, Resident Village- Sagoniya, Tehsil & District- RAISEN (M.P.)

Whereas, **O.A.No. 125/2023** was listed before Hon'ble Presiding Officer on **09/03/2023.** Whereas, this Hon'ble Tribunal please to issue summons / notice on the said application under 19 (4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of **Rs. 28,95,987/-** Application alongwith copies of document etc are enclosed.)

In accordance with sub section (4) of section 19 of the Act, you the defendants are directed as under:-

(i) To show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted.
(ii) To disclose particulars of properties for assets other than properties and assets specified by the applicant under serial No. 3A of the Original Application.
(iii) You are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial no. 3A of the Original Application, pending hearing and disposal of the Application for attachment of properties.
(iv) You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and / or other assets and properties specified or disclosed under Serial No. 3A of the Original Application without the prior approval of the Tribunal.
(v) You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets.

You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before registrar **27/08/2025** failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and seal of the Tribunal this the 16th day of May 2025.

Seal **REGISTRAR**

Form No. VI / PUBLICATION

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL

(2nd and 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhawan, BSNL Building, Near Head Post Office, Jabalpur M.P.)
(Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule 2(A) of the rule 5 of the Debts Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

ORIGINAL APPLICATION NO. 53 OF 2022

CANARA BANK ..... APPLICANT
Versus
M/s NEMA COMPUTERS & ORS. ..... DEFENDANTS

1. M/s Nema Computers Through its proprietor- Mr. Gaurav Nema, Plot No. 206, Shop No. L-12, Shrishti Complex, M.P. Nagar Zone-1, Bhopal M.P.- 462011

2. Mr. Gaurav Nema S/o Shri Anil Nema, 229, Nirmal Bhawan, Behind Yes Bank, Above Blue Dart Courier M.P. Nagar Zone-1, Bhopal- 462011 M.P.

3. Mr. Anil Nema, Add: H.No. 868, Ayodhya Nagar, Ayodhya Bypass, Bhopal M.P.- 462041

4. Smt. Savita Nema W/o Shri Anil Nema, Add: Ward No. 12, Azad Chowk, Kurwai, Vidisha, M.P.- 464224

5. Smt. Pooja Nema W/o Late Gaurav Nema, 229, Nirmal Bhawan, Behind Yes Bank, Above Blue Dart Courier M.P. Nagar Zone-1, Bhopal- 462011 M.P.

Whereas, **O.A.No. 53/2022** was listed before Hon'ble Presiding Officer on **30/03/2022.** Whereas, this Hon'ble Tribunal please to issue summons / notice on the said application under 19 (4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of **Rs. 55,70,327/-** Application alongwith copies of document etc are enclosed.)

In accordance with sub section (4) of section 19 of the Act, you the defendants are directed as under:-

(i) To show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted.
(ii) To disclose particulars of properties for assets other than properties and assets specified by the applicant under serial No. 3A of the Original Application.
(iii) You are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial no. 3A of the Original Application, pending hearing and disposal of the Application for attachment of properties.
(iv) You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and / or other assets and properties specified or disclosed under Serial No. 3A of the Original Application without the prior approval of the Tribunal.
(v) You shall be liable to account for the sale proceeds realized by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets.

You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before registrar **04/08/2025** failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and seal of the Tribunal this the 16th day of May 2025.

Seal **REGISTRAR**

देशबन्धु

भोपाल, शुक्रवार 8 अगस्त 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

राहुल गांधी ने बम फोड़ दिया

1 अगस्त को राहुल गांधी ने चेतावनी दे दी थी कि उनके पास चुनाव में वोट चोरी के पक्के सबूत हैं। जब वे इन्हें सार्वजनिक करेंगे तो एटम बम फूटेगा। सात अगस्त की दोपहर जब राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की, तो वाकई बड़ा धमाका हो गया। इस प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के ही आंकड़ों के जरिए साबित कर दिया कि कर्नाटक की एक विधानसभा सीट में किस तरह 1 लाख से ज्यादा फर्जी वोट पड़े हैं। राहुल गांधी का दावा है कि जिस तरह केवल इस एक सीट पर धांधली की गई है, वह असल में एक आसान तरीका है, जो पूरे देश में कहीं भी आजमाया जा सकता है, बल्कि आजमाया जा चुका है।

राहुल गांधी ने इस प्रेस कांफ्रेंस को 'वोट चोरी' का शीर्षक दिया। जिसमें मीडिया के सामने उन्होंने दिखाया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में उसे एकतरफा वोट मिला। श्री गांधी ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के पूरे आंकड़े पत्रकारों के सामने पेश किए। 7 फीट से ऊंचे मतदाता सूची के इस पुलिंदे की पूरी पड़ताल में कांग्रेस की एक टीम को कुल छह महीने का समय लगा है। अगर कागज की जगह ये सूची चुनाव आयोग की तरफ से डिजीटली और वह भी मशीन के पढ़ने योग्य फार्म में उपलब्ध कराई जाती, तो शायद यह पड़ताल आसान होती। मगर राहुल गांधी का दावा है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को 'मशीन के पढ़ने योग्य' (मशीन रीडेबल) डेटा उपलब्ध नहीं करा रहा है ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके। फिर भी कांग्रेस ने अभी एक ही संदिग्ध नतीजे वाली सीट का विश्लेषण किया तो हतप्रभ करने वाले आंकड़े सामने आए हैं। भाजपा द्वारा जीती गई इस सीट पर 1,00,250 मतों की चोरी की गई, ऐसा कांग्रेस का दावा है।

इन एक लाख दो सौ पचास मतों के विश्लेषण में सामने आया कि 11,965 डुप्लीकेट वोटर बनाए गए, 40,009 फर्जी पतों का इस्तेमाल हुआ, 10,452 वोटर बड़ी संख्या में एक ही पते पर रजिस्टर किए गए, 4,132 वोटर बिना फोटो या अवैध फोटो के साथ जोड़े गए, 33,692 नए वोटर फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए। एक ही पते पर कहीं 40 कहीं 50 लोगों के वोटर आईडी बने हैं। एक ही नाम से कई मतदाता पहचान पत्र बने हैं, जिनमें कहीं कर्नाटक, कहीं महाराष्ट्र, कहीं उत्तरप्रदेश का पता दर्ज है। कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग-अलग थे। कई कार्ड्स में मकानों के पते पर शून्य लिखा है। कई में पिता के नाम पर अंग्रेजी के अक्षर अजीबोगरीब क्रम में लिख दिए गए हैं। फार्म 6, जिसके उपयोग से नए मतदाताओं के कार्ड बनते हैं और फिर उनका नाम वोटर लिस्ट में आता है, इस फार्म 6 के तहत 70, 80 साल के मतदाताओं के कार्ड भी बने हैं, जबकि कायदे से इसमें 18 साल वाले वोटर होने चाहिए। इस तरह के फर्जीवाड़े से महज एक सीट पर लाख से अधिक वोट बढ़ाए गए और मजे की बात ये है कि यहां भाजपा की जीत हुई है।

अकाट्य तथ्यों और सबूतों के साथ राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की धांधली का उदाहरण देश के सामने पेश कर दिया। फिर अपनी बात दोहराई कि जो खेल इस एक सीट पर हुआ है, उसी तरह की आशंकाएं महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में भी बनी हैं। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को जीत की उम्मीद थी, एक्जिट पोल भी यही दर्शा रहे थे। सत्ता पर बैठे हर राजनैतिक दल के खिलाफ एंटी इनकमबेंसी सामान्य बात है, लेकिन भाजपा इससे हमेशा कैसे बच निकल रही है, इसका पूरा खुलासा राहुल गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में धांधली की बात हम पहले भी कहते थे, लेकिन पूरे तथ्य नहीं थे, इसलिए झिझकते थे। मगर अब राहुल गांधी ने यह कहने में कोई संकोच नहीं किया कि विपक्ष कभी न कभी सत्ता में आएगा और तब हर छोटे-बड़े जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी।

कायदे से इस समय तीनों चुनाव आयुक्तों को अपना इस्तीफा देकर इस धांधली की स्वतंत्र जांच का रास्ता तैयार करना चाहिए। क्योंकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के उसके दावे पर ये एक लाख 250 फर्जी वोट सवाल उठा रहे हैं। मगर हमेशा की तरह राहुल गांधी को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा ने तो चुनाव आयोग की तरफ से जवाब देना शुरु कर ही दिया है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को शुक्रवार 1 से 3 बजे तक मिलने का समय भी दिया है। जब इस बारे में राहुल गांधी से सवाल हुए तो उन्होंने दो टूक कह दिया कि 'मैं एक राजनेता हूं। मैं लोगों से जो कहता हूं वह मेरा वचन है। मैं इसे सार्वजनिक रूप से सभी से कह रहा हूं। इसे शपथ के रूप में लें। यह उनका डेटा है, और हम उनका डेटा दिखा कर रहे हैं। यह हमारा डेटा नहीं है। यह चुनाव आयोग का डेटा है।

राहुल गांधी के इस बड़े खुलासे के बाद अब चुनाव आयोग के पाले में गेंद चली गई है कि वह या तो इन सबूतों को गलत साबित करे या फिर गलती की जिम्मेदारी स्वीकार करे। अगर चुनाव आयोग ऐसा नहीं करता है, तो फिर राहुल गांधी का यह आरोप भी पुख्ता होगा कि नरेन्द्र मोदी जिन 25 सीटों के कारण प्रधानमंत्री बने हैं, वे भी संदिग्ध हैं। लोकसभा के साथ-साथ महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली सारे चुनावों पर अब प्रश्नवाचक निशान लग चुका है। कांग्रेस के अलावा अन्य दल भी अब चुनाव आयोग की निष्पक्षता के सबूत मांग रहे हैं।

भाजपा इस लड़ाई को निजी बनाकर राहुल गांधी पर हमला बोल रही है, लेकिन भाजपा को भी यह याद रखना होगा कि इस लोकतंत्र के कारण ही उसे सत्ता मिली है। अगर लोकतंत्र नहीं बचेगा तो क्या भारत बच पाएगा, यह गंभीर सवाल देश के सामने है। इसलिए राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा करने की जगह जो मुद्दे उन्होंने उठाए है, उस पर पूरे देश में विचार हो, माननीय सुप्रीम कोर्ट इस पर स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, तभी चुनाव की चोरी रोकी जा सकेगी।

दुनिया का दादा क्यों फोड़ रहा है टैरिफ के सुतली बम?

अपनी सनक में लिए गए फैसलों से हाहाकार मचा देने के आदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अब भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लाद दिया है। पहले 25 प्रतिशत की घोषणा के बाद अब 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ बतौर पैनल्टी इसलिए लगा दिया क्योंकि भारत ने रूस से तेल ख़रीदना (कुल 80 प्रतिशत आयात का 36 प्रतिशत) जारी रखा है; और रखेगा। इसके संकेत भी दे दिए। इसके उलट भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने तो यहां तक कह दिया कि अमेरिका भी तो रूस से यूरेनियम और खाद ख़रीदता है। यही सवाल जब अमेरिकी राष्ट्रपति से एक संवाददाता ने पूछा तो वे इसे सीधे ही टाल गए। 50 प्रतिशत टैरिफ पर विचार के लिए दुनिया के दादा ने भारत को तीन हफ्तों का समय दिया है क्योंकि तब उनका एक दल ट्रेड डील पर बात करने के लिए भारत में होगा।

यह तो पता नहीं कि बातचीत क्या रुख लेगी, लेकिन अब भारत अमेरिका से पैनल्टी खाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। ऐसा तो ट्रम्प ने युद्ध सुलगाने वाले देशों के साथ भी नहीं किया। रूस और इजराइल के आगे अमेरिका की चाल ज़रा नहीं बदलती। विस्तारवादी चीन के आगे भी आंकड़ा 30 फ़ीसदी तक पहुंचा है। भारत के साथ केवल ब्राज़ील खड़ा है जिस पर भी 50 प्रतिशत वाला बम फोड़ा गया है। वहां के राष्ट्रपति लुला डी सिल्वा ने साफ़ कह दिया है कि ब्राज़ील व्यापार के नए अवसर तलाशेगा और अपने देश के उद्योगों को राहत देगा। उधर भारत के सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी रूस में हैं और जल्द ही विदेश मंत्री जयशंकर भी जाने वाले हैं। चीन के साथ भी भारत अपनी पॉलिसी शिफ्ट करता हुआ नज़र आ रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस माह के आख़िर में चीन जाएंगे। उनकी यह यात्रा पूरे सात साल बाद हो रही है। ऐसा क्यों हुआ कि 'अब की बार ट्रम्प सरकार' से मज़बूत हुई यह दोस्ती उस कग़ार पर पहुंच गई जहां द्विपक्षीय व्यापार इस क़दर टूटने लगा?

जवाब अंग्रेज़ी में लिखने वाले एक पद्मश्री पत्रकार के लेख में खोजा जा सकता है। अमूमन वे इस सरकार के विचार से अलग होकर कम ही लिखते हैं लेकिन इस बार उन्होंने लिखा है। लेख में सवाल है कि अमेरिका के साथ ऐसी नौबत क्यों आई? लेख के मुताबिक लगभग एक दशक से ऐसा लगता रहा था कि भारत अमेरिका का मज़बूत सहयोगी है। वाशिंगटन से मुक़ाबला करने में पाकिस्तान और बांग्लादेश हमसे बेहतर रहे जबकि हमारे यहां मोदी इकोसिस्टम तो आतंरिक सियासी संघर्ष का शिकार हो गया। सरकार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका को यूं नहीं नकारना चाहिए था। संसद की बहस में यह ध्वनि और स्पष्ट हुई कि सरकार यह नहीं स्वीकारना चाह रही है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कोई भूमिका रही। क्या हो जाता जो सरकार कह देती कि 'धन्यवाद ट्रम्प जी, पाकिस्तान को सद्‌बुद्धि देने और उसे खुद को विनाश से बचाने के लिए!'

पत्रकार का सवाल वाजिब है। आखिर कूटनीति इसे ही तो कहा जाता है और यहां इस बार हम चूके हैं। युद्ध का रुकना कब ग़लत हुआ है। वे लिखते हैं- 'शुरुआत में भारत नरेन्द्र मोदी की नई सरकार के साथ लगातार अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा था, जो अपने चरम पर उस वक्त दिखा, जब भारत मंडपम में मोदी से हाथ मिलाने और गले लगने के लिए जी-20 देशों के शासनाध्यक्ष कतार में खड़े नजर आए। भारत दुनिया को और खास तौर से पश्चिम को उपदेश पिला रहा था। यह सब मिलकर सत्तातंत्र के विरोधाभास के दो ध्रुवों का पहला ध्रुव बनाता है। दूसरा ध्रुव तब उभरता है जब जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा और दबे रूप से ब्रिटेन के साथ रिश्तों में खटास उभरती है। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू मसले की छाया उभरी, लेकिन ट्रूडो के कनाडा को छोड़ किसी ने कोई हंगामा नहीं खड़ा किया। पहला झटका लगा, जब तत्कालीन अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने घोषणा की कि बाइडेन को नई दिल्ली में जनवरी में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है और गणतंत्र दिवस की परेड में मुख्य अतिथि बनने का भी न्यौता दिया गया है। उन्होंने इसे रद्द कर दिया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने हमें शर्मिंदगी से बचा लिया। इस समय तक हमारा विरोधाभास उभर आया था और उसमें वृद्धि हो रही थी। एक दशक तक यही धारणा बनी रही कि पश्चिमी खेमा भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी मानता है। चीन के साथ उत्तर-पश्चिमी और पूर्वी सेक्टरों में तनाव के दौरान अमेरिकी मदद की खामोश स्वीकृति भी उभरी। हम खुद को पश्चिम का अपरिहार्य व अनिवार्यत: स्वाभाविक सहयोगी मानकर खुश होते रहे लेकिन फिर उसके प्रति इंदिरा युग वाली चिढ़ उभरने लगी थी। लेख का अंत दिलचस्प है जो कहता है- ऐसा क्यों नहीं हुआ? क्योंकि राहुल गांधी ने संघर्षविराम होने के चंद घंटे के भीतर ही पहला वार कर दिया था कि सरकार ने मध्यस्थता स्वीकार की। राहुल गांधी सरकार को अपना एजेंडा बदलने के लिए अक्सर उकसाते रहते हैं। यह सब पीड़ित होने के गहरे भाव में और इज़ाफा ही करता है।

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

> ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था।

तब क्या वाकई सरकार विपक्ष की भूल-भुलैया में फंस जाती है। जातिगत जनगणना में भी यही हुआ। इस गणना को सर्वथा नकारने वाली सरकार ने फिर इसे कराने की ठान ली। कुछ महीने पहले बिहार में राहुल गांधी की ज़िद और ललकार ने भी सरकार को प्रेरित किया। बिहार में उन्होंने कहा था- 'पहला कदम यह पता लगाना है कि सच्ची स्थिति क्या है। जाति जनगणना को हम छोड़ने वाले नहीं हैं।'

इससे पहले भी राहुल गांधी संसद में ख़म ठोक चुके थे कि, 'अर्जुन की ही तरह उन्हें भी केवल मछली की आंख दिख रही है और वे जातीय जनगणना करा कर रहेंगे।' वे द्रोणाचार्य द्वारा गुरु दक्षिणा में एकलव्य का अंगूठा लिए जाने का उदाहरण देकर कह रहे थे कि आपने किस-किस का अंगूठा काटा है, हम यह जानकर ही दम लेंगे।

भारत-अमेरिका के बीच इस तनाव की वजह जानने का एक सवाल जब एआई चैटजीपीटी से पूछा जाता है तो जवाब आता है- साल 2023 में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ़ जस्टिस ने एक भारतीय नागरिक को पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोपी ठहराया था और ऐसा ही एक मामला कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भी जुड़ा देखा गया। इन घटनाओं ने विदेशी धरती पर भारतीय ख़ुफ़िया विभाग को संदेह की निगाह से देखने पर मजबूर किया। समय-समय पर अमेरिकी सरकार और मानव अधिकार संगठनों ने भी भारत में प्रेस की आज़ादी और धार्मिक स्वतंत्रता के मसलों को गंभीर माना। भारत की ओर से असहमत आवाज़ों और गैर सरकारी संगठनों पर सख्ती भी एक वजह रही। अमेरिका में विदेश नीति के केंद्र में लोकतंत्र और मानव अधिकार का नैरेटिव काम करता है, लिहाज़ा तनाव भी बढ़ा। यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में रूस से तेल ख़रीदना भी एक वजह है। बहरहाल इन तमाम कारणों से अलग राष्ट्रपति ट्रम्प जो टैरिफ का खेल चला रहे हैं, उसे खुद अमेरिकी कानून ही शक्ति का दुरुपयोग बता रहा है। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला देने वाले ट्रम्प का असल विरोध भी शायद उन्हीं के देश से होगा क्योंकि लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आज़ादी को वहां बुनियादी हक़ माना गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता (2008) और अर्थशास्त्र के जानकार पॉल क्रुगमैन ने भी कह दिया है कि व्यापार को लेकर ट्रंप जो भी कर रहे हैं वह गैरक़ानूनी है और आंकड़े बता रहे हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब धीमी हो चली है।

वैसे ट्रम्प की ख़ब्त का कोई ओर-छोर नहीं है। जिस टैरिफ को वे एटम बम बता कर फोड़ते हैं उसकी ताकत सुतली बम से ज़्यादा की न हो क्योंकि इसके पहले मैक्सिको और कनाडा को वे अपना 51वां राज्य बनाने का मंसूबा भी ज़ाहिर कर चुके हैं। फिर उनका ग्रीनलैंड ख़रीदने का मन भी बन गया था। डेनमार्क के डेनिश साम्राज्य के तहत ही ग्रीनलैंड एक स्वतंत्र द्वीप है और इसके नागरिकों ने ही ट्रम्प को टका सा जवाब दे दिया था। ट्रम्प की यही क़ारोबारी मानसिकता पूरी दुनिया में खलबली मचा रही है जिसका कोई आधार नज़र नहीं आता। अलबत्ता एक पासा है जो जब-तब उछाल दिया जाता है। सोचिए, जो शायर अकबर इलाहाबादी इस दौर में होते तो अपनी ग़ज़ल के इस शेर में क्या कुछ बदलाव करते। काश कि कवियों जैसा थोड़ा सब्र भी इन हुक्मरानों में आया होता-

दुनिया में हूं दुनिया का तलबगार नहीं हूं,
बाज़ार से गुज़रा हूं ख़रीददार नहीं हूं।।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं)

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर शुल्क 50 फीसदी तक बढ़ाया : क्या होगा इस आदेश का असर

■ **अरुण कुमार डनायक**

6 अगस्त 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद के चलते अतिरिक्त 25फीसदी आयात शुल्क लगाने का आदेश जारी किया, जिससे कुल अमेरिकी शुल्क अब 50फीसदी हो गया।

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक हितों की रक्षा हेतु जारी इस कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि यदि रूस या कोई अन्य प्रभावित देश अमेरिका के साथ समन्वय स्थापित कर आपात स्थिति के समाधान की दिशा में कदम उठाता है, तो राष्ट्रपति को आदेश संशोधित करने का अधिकार भी है, जिससे यह नीति लचीली बनती है।

इस आदेश के लागू होने की समय-सीमा 21 दिन तय की गई है, अर्थात भारत और रूस को इस अवधि के भीतर अमेरिका से बातचीत कर शुल्कों में किसी संभावित बदलाव की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलेगा।

इस आदेश से स्पष्ट है कि अमेरिका उन देशों पर दबाव बनाना चाहता है जो यूक्रेन युद्ध के बाद भी रूसी ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं।

> अब देखने की बात यह है कि भारत सरकार इस चुनौती का सामना किस तरह करती है—क्या वह कूटनीतिक संवाद और विवेकपूर्ण व्यापारिक रणनीतियों के माध्यम से इसे अवसर में बदल पाएगी, या फिर अमेरिकी प्रतिबंधों के आर्थिक दबाव को मौन रूप से सहने के लिए मजबूर होगी। यही निर्णय भारत की आगामी वैश्विक भूमिका को परिभाषित करेगा।

ट्रंप के इस कदम से भारत की आर्थिक योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। जहां एक ओर भारत ने ऊर्जा जरूरतों एवं परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात हेतु रूस से तेल खरीद जारी रखी है, वहीं अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव बढ़ने का खतरा है। यह स्थिति भारत के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है, खासकर जब कई अमेरिकी कंपनियां उसे चीन के विकल्प के रूप में देख रही थीं। इसका प्रतिकूल प्रभाव प्रवासी भारतीयों पर भी होगा— आयातित भारतीय वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि उनके उपभोग व्यय को बढ़ाएगी, जिससे न केवल उनकी बचत क्षमता पर असर पड़ेगा, बल्कि भारत को भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा में भी गिरावट आने की संभावना है।

चीन भी रूस से तेल खरीदता है, फिर भी उसे अतिरिक्त अमेरिकी शुल्कों का सामना नहीं करना पड़ा, संभवत: इसलिए कि अमेरिका-चीन के बीच व्यापार वार्ताएं जारी हैं। फिलहाल अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर शुल्क लगाए हैं, जिसके जवाब में चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिशोधात्मक कर लगाया है।

भारत पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए दंडात्मक शुल्क ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है और वैश्विक व्यापार, ऊर्जा-नीति और भू-राजनीतिक समन्वय को जटिल बना दिया है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए उन्हें 'साहसी' और 'तार्किक' बताया, साथ ही यूरोप से भी वैसा ही रुख अपनाने की अपील की। हालांकि ऐसा कहा जा सकता है कि जॉनसन ने इस बहाने वर्तमान ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर पर कटाक्ष किया है। लेकिन यदि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ, विपक्ष व स्वदेशी के दबाव में अमेरिका की राह पर चलते हैं, तो भारत के लिए स्थिति और जटिल हो सकती है।

रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिका के दबाव के बीच चीन ने पहली बार भारत का समर्थन करते हुए कहा कि उसकी विदेश नीति स्वतंत्र है। यह चीन की ओर से भारत को मिला एक दुर्लभ सार्वजनिक समर्थन है, विशेषकर ऐसे समय में जब अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापारिक टकराव की राह पर है। जो दोनों देशों के बीच संभावित रणनीतिक समीकरण का संकेत देता है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी की इस महीने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन हेतु प्रस्तावित चीन यात्रा, जो गलवान झड़प के बाद पहली होगी, अमेरिका को यह सूक्ष्म संदेश भी देती है कि भारत के पास वैकल्पिक कूटनीतिक रास्ते मौजूद हैं। इस तरह चीन द्वारा भारत को दिया गया यह समर्थन केवल एक कूटनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन में संभावित बदलाव की ओर संकेत करता है।

अब भारत को आत्मनिर्भरता और वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अपने प्रयास तेज करने होंगे। अमेरिका के टैरिफ युद्ध ने कई देशों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार के लिए मजबूर किया है। फ्रांस, जर्मनी और कनाडा जैसे देश आर्थिक सुधार और सुरक्षा सुदृढ़ीकरण की दिशा में सक्रिय हैं। अमेरिका के आक्रामक कदमों ने अन्य देशों को सुधार का अवसर देकर सकारात्मक बदलाव की राह खोली है।

भारत ने इस बार कड़ी प्रतिक्रिया दी। भारत के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया, 'अमेरिका स्वयं अपनी परमाणु ऊर्जा उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए पैलेडियम, और उर्वरकों व रसायनों का रूस से आयात करता है। ऐसे में केवल भारत को निशाना बनाना अन्यायपूर्ण और तर्कहीन है।' भारत, जो अब तक अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रणनीतिक संबंधों को प्राथमिकता देता रहा है, अब शायद यह दर्शाने की कोशिश कर रहा है कि यदि उस पर अत्यधिक दबाव डाला गया, तो वह अपनी विदेश नीति में विविधता लाने से नहीं हिचकिचाएगा।

भारत के लिए यह क्षण केवल प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि दूरदर्शी आत्ममंथन और रणनीतिक सशक्तिकरण का है। जब अन्य देश टैरिफ युद्ध के दबाव में भी अवसर तलाशते हुए आगे बढ़ सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं? यह समय है जब भारत को अपने आंतरिक व्यापार को सरल और पारदर्शी बनाना, विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊर्जा देना, वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पकड़ मजबूत करना, और तकनीकी व नवाचार क्षमताओं को उभारते हुए वैश्विक नेतृत्व की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना चाहिए।

यदि भारत इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से एक सकारात्मक, परिवर्तनकारी रास्ता निकाल पाता है, तो यही तथाकथित 'अनपेक्षित प्रभाव' उसकी सबसे बड़ी रणनीतिक जीत सिद्ध हो सकता है।

निस्संदेह, हर संकट अपने साथ एक छिपा हुआ अवसर लेकर आता है। टैरिफ युद्ध के इस दौर में भारत को आत्मनिर्भर, सजग और रणनीतिक दृष्टि से परिपक्व बनकर न केवल वर्तमान दबावों का सामना करना है, बल्कि स्वयं को भविष्य की वैश्विक व्यवस्था में एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित भी करना है।

अब देखने की बात यह है कि भारत सरकार इस चुनौती का सामना किस तरह करती है—क्या वह कूटनीतिक संवाद और विवेकपूर्ण व्यापारिक रणनीतियों के माध्यम से इसे अवसर में बदल पाएगी, या फिर अमेरिकी प्रतिबंधों के आर्थिक दबाव को मौन रूप से सहने के लिए मजबूर होगी। यही निर्णय भारत की आगामी वैश्विक भूमिका को परिभाषित करेगा।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता तथा समाजसेवी हैं)

आपके पत्र

प्रलोभन का परिणाम : जब प्रकृति निगलने लगती है

आज भारत के पहाड़ों से लेकर मैदानों तक, हर जगह मनुष्य का प्रलोभन ही विनाश का बीज बन चुका है। हाल की घटनाएं — उत्तरकाशी, जोशीमठ, केदारनाथ, किन्नौर या हिमाचल की तबाही— सभी हमें याद दिलाती हैं कि जब मनुष्य अपने हित में प्रकृति की रेखाएं मिटा देता है, तो नदी, पहाड़, बादल और धरती एक दिन सब कुछ वापस ले लेते हैं।

मेरे घर के पास एक छोटा सा रेस्तरां है। उसके नल से दिन-रात पानी टपकता रहता है। मैंने कई बार कहा, लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ा। एक ढीला वॉशर बदलने से समस्या हल हो सकती है, लेकिन सौ-पचास रुपये की मरम्मत उनके लिए बेमतलब है। पानी बहता है, तो बहता रहे। क्या यह एक रेस्तरां तक सीमित लापरवाही है? बिल्कुल नहीं। यह प्रतीक है उस मानसिकता का जो कहती है —जो हो रहा है, होने दो। हमें क्या फर्क पड़ता है? इस सोच के कारण हर दिन लाखों लीटर पानी व्यर्थ जाता है, गाड़ियों से निकलती धुआं-संस्कृति जारी रहती है, कचरे में दम तोड़ती गायें खड़ी रहती हैं, और हिमालय की छाती पर रिसॉर्ट्स उगते रहते हैं।

भारत का हिमालय क्षेत्र न सिर्फ़ भौगोलिक, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी हमारी धरोहर है परंतु अब वह पर्यटन का बाजार बन चुका है। पहाड़ों की आत्मा शांति थी, अब वह शोर में डूब चुकी है। दो दिन की छुट्टी मिलते ही लाखों लोग सेल्फी, शराब और शोरगुल की भूख लिए हिमालय पर टूट पड़ते हैं। वे वहां शांति खोजने नहीं जाते, बल्कि वहां भी उसी बाजार को बसाना चाहते हैं जिससे भागने का दावा करते हैं। रिसॉर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, पार्किंग, रोड— हर जगह अतिक्रमण है। पहाड़ की सीमित सहनशक्ति की कोई चिंता नहीं। जिस ज़मीन को सदियों से पेड़ों ने थामा हुआ था, वहां अब कांक्रीट की मोटी परतें बिछ गई हैं। जब बरसात आती है, तो वह ज़मीन अपने भीतर पानी को नहीं समेट पाती— परिणामस्वरूप, वही जल वेग बनकर जान लेता है।

बादल फटते हैं, बाढ़ आती है, और हम सोशल मीडिया पर दुख प्रकट करके आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हम पूछते हैं कि उस बाढ़ ने रास्ता क्यों बदला? क्या वह प्राकृतिक था या उसे रोका गया था? नदियां सदियों से बहती आई हैं, उन्होंने अपने लिए रास्ता बनाया है। लेकिन जब हम घाटी में मकान बना लेते हैं, नदी के किनारे होटल ठोक देते हैं, तो वह नदी अपने रास्ते को रिक्लेम करेगी ही। उत्तरकाशी की हालिया त्रासदी में पूरा गांव बह गया। लेकिन वह गांव पहाड़ों की गोद में नहीं था— वह नदी के पाट में बना था। यह कोई आस्था नहीं थी, यह लालच था और लालच कभी भी सुरक्षित नहीं रहता। कठोर शब्द हैं, लेकिन सच यही है कि हम एक मूर्ख और संवेदनहीन समाज में तब्दील हो चुके हैं। हम आपदाओं को रोकने के बजाय उनका इंतज़ार करते हैं ताकि मीडिया को दृश्य मिलें और सरकारें मुआवज़े का तमाशा कर सकें। हमने पर्यावरण को सिर्फ़ एक 'डॉक्युमेंट' बना दिया है। नीति आयोग से लेकर नगर पंचायत तक, हर स्तर पर विकास का मतलब अतिक्रमण हो गया है। क्या यह दुखद नहीं कि पहाड़ों पर हो रही तबाही के बीच भी लोग 'डील' खोज रहे हैं — 'इस सीजन होटल सस्ते मिल जाएंगे'? क्या हमने चेतना खो दी है?

-डॉ. प्रियंका सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

संसाधनों का राष्ट्रीयकरण!

'पंडित नेहरू साम्यवादी नहीं थे। वे साम्यवाद के अच्छे पहलुओं को स्वीकार करने के लिए तैयार रहते थे, लेकिन साम्यवाद के तौर-तरीकों से उन्हें कुछ बुनियादी आपत्तियां थीं और देश के भीतर साम्यवादी दल की रीति-नीति को लेकर उन्हें बहुत से संदेह भी थे। वे एक खुले विचारों वाले व्यक्ति थे और देश के नव-निर्माण में सबसे यथायोग्य योगदान की अपेक्षा करते थे। जब देशी उद्योगपतियों ने उन्हें बॉम्बे प्लान दिया तो उसको उन्होंने बिना देखे खारिज नहीं किया। किन्तु उनकी दृढ़ मान्यता थी कि स्वतंत्र भारत में सार्वजनिक क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाएगा। आर्थिक गतिविधि का कोई भी आयाम हो, वे मानते थे कि उसकी कमान केन्द्र सरकार के पास होना चाहिए।'

(देशबन्धु में 08 नवम्बर को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/11/blog-post.html

रक्षाबंधन 9 अगस्त पर

क्षमा करने और स्नेह बांटने का पर्व

श्रावण मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनाया जाने वाला पर्व यही वह सूत्र है जिसके द्वारा बहन,भाई के दीर्घायु की कामना करती है। इस पर्व की महत्ता इस लोक में ही नहीं देवलोक में भी होने का प्रमाण हमारे धर्म शास्त्रों में मिलता है। देवराज इंद्र से लेकर राजा बलि तक अनेक पौराणिक कथाएं राखी के सूत्र से भरी पड़ी हैं। इतना ही नहीं मुगलकालीन शासकों ने भी रक्षाबंधन के पर्व को सम्मान प्रदान करते हुए उसे अपनी कलाइयों में धारण किया। रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक ऐसा त्यौहार है जो यह बताता है कि रिश्तों की बुनियाद खून से ज्यादा भावनाओं और विश्वास पर टिकी होती है। यह पर्व जहां भाई- बहन के रिश्ते को मजबूती देता है, वहीं समाज में सुरक्षा, कर्तव्य और सामंजस्य की भावना को भी प्रगाढ़ करता है।

रक्षाबंधन का पर्व वास्तव में देखा जाए तो एक पवित्र अनुष्ठान है , जो प्रत्येक भाई-बहन को कर्तव्यों का स्मरण कराता है। सार्वभौमिक भाईचारे का यह पर्व असीमित दृष्टिकोण एवं शांति की स्थापना करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो जाति, पंथ, आयु, लिंग, धर्म, सामाजिक- आर्थिक स्थिति, रंग और व्यक्तित्व के लक्षणों की सभी बाधाओं को तोड़ता है। रक्षा के पवित्र धागे 'राखी' से बंधे होते हैं। इसमें शांति, प्रेम,पवित्रता, ज्ञान, दया के मूल स्वभाव का संकल्प समाया होता है। रक्षाबंधन पर्व के दिन भाई-बहन एक-दूसरे से दूर रहने की स्थिति में साथ बिताए पलों को याद कर भावुकता एवं बचपन की हंसी-ठिठोली, लड़ाई- झगड़े, प्यार-स्नेह और हर तरह की उछल कूद वाली मस्ती भरी तस्वीरों में रंग भरने लगते हैं। यही इस पर्व का उल्लास कहा जा सकता है।

राखी महज एक धागा या सूत्र नहीं है , बल्कि यह एक बहन की भावनाओं, उसकी प्रार्थनाओं और भाई के प्रति अटूट विश्वास का प्रतीक है। यही वह स्नेह बंधन है जो भाई-बहन के बीच रिश्तों की मजबूती और स्थायित्व को प्रकट करता है। एक ओर जहां बहन रक्षा का सूत्र बांधकर अपने भाई से जीवन भर की सुरक्षा का वचन मांगती है तो दूसरी ओर भाई भी अपने इस कर्तव्य को निभाने की प्रतिबद्धता का पालन करने का विश्वास दिलाता है । यह पर्व पारिवारिक सदस्यों को एक साथ आने का अवसर भी प्रदान करता है। एक दूसरे के प्रति कर्तव्यों के स्मरण बोध को भी रक्षा बंधन मजबूती प्रदान करता है। राखी का पर्व न केवल भाई - बहन के रिश्ते को बल प्रदान करता है वरन समाज में प्रेम एवं सद्भाव को भी बढ़ाता है। वर्तमान की परिस्थितियों को देखकर बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि बदलती जीवनशैली ने हमें इतना ज्यादा व्यस्त कर दिया है कि इस दिन को छोड़कर पूरे वर्ष भर हमारे पास इतना वक्त नहीं कि बहन कैसी है? भाई क्या कर रहा है? जानने का प्रयास कर सकें। ऐसे हालात कैसे बने? इसका जिम्मेदार कौन है? काफी सिर फुटव्वल के बाद भी जवाब नकारात्मक ही है! कभी ऐसा लगता है कि यह सब समय का प्रभाव है, कभी लगता है सब अपने-अपने दायरों में कैद होकर रह गए हैं। आज की आरामतलब जिंदगी और प्रतिदिन के संघर्षों ने रिश्तों को खोखला करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भागती-दौड़ती जिंदगी में पारिवारिक रिश्तों का स्वरूप तेजी के साथ बदलता जा रहा है। एक परिवार में रहने वाले भाई- बहनों के बीच तकरार और तनाव की लकीरें गाढ़ी होती जा रही हैं! एक-दूसरे की तकलीफों को समझने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है! भाई-बहन के रिश्ते आज की स्थिति में अपने प्रभुत्व और मान-सम्मान का प्रदर्शन करते ही दिखाई पड़ रहे हैं!

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा

न्यायिक और गैर न्यायिक संवर्ग में विभाजित करने के विरोध में राजस्व अधिकारियों की हड़ताल

दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे तहसीलदार, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट का दर्जा खत्म होने की आशंका

- नामांतरण, बटांकन, सीमांकन और जाति प्रमाण पत्र जैसे काम हो रहे हैं प्रभावित

गुना, देशबन्धु। गुना सहित प्रदेशभर के राजस्व अधिकारी (तहसीलदार, नायब तहसीलदार) लगातार दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे। मध्यप्रदेश सरकार के एक अजीब और गरीब प्रयोग ने इन अधिकारियों को मुश्किल में डाल दिया है। कार्य विभाजन की गलत नीति का राजस्व अधिकारियों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है और हड़ताल शुरु कर दी गई है। राजस्व अधिकारियों की हड़ताल का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। गुरुवार को तहसील परिसर में आम लोग परेशान होते देखे गए।

बता दें कि तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक संवर्ग में विभाजित करने के विरोध में राजस्व अधिकारियों की हड़ताल की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि सरकार यह फैसला बिना उनसे चर्चा किए उन पर थोप रही है, जिससे राजस्व संबंधी महत्वपूर्ण काम प्रभावित हो रहे हैं। सरकार ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को न्यायिक और गैर-न्यायिक दो कैडर में बांटने का फैसला किया है। इसके तहत, कुछ अधिकारियों को न्यायिक कार्य जैसे नामांतरण, बटांकन दिए जाएंगे, जबकि कुछ को गैर-न्यायिक कार्य जैसे फील्ड विजिट, सीमांकन सौंपे जाएंगे। अभी तक तहसीलदार और नायब तहसीलदार दोनों ही तरह के काम करते थे और उन्हें कार्यपालिक मजिस्ट्रेट का दर्जा भी प्राप्त था। अधिकारियों का कहना है कि उनकी भर्ती मूल रूप से नायब तहसीलदार के पद पर राजस्व संबंधी कार्यों के लिए हुई थी। राजस्व अधिकारियों का मानना है कि उनका ज्यादातर काम कार्यालय और फील्ड दोनों से जुड़ा होता है। सीमांकन और रास्ते के विवाद जैसे मामले तो मौके पर जाकर ही सुलझाए जा सकते हैं। काम का इस तरह बंटवारा करने से दक्षता प्रभावित होगी। अधिकारियों का यह भी कहना है कि सरकार ने इस फैसले को पहले 12 जिलों में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया था, लेकिन बिना किसी फीडबैक के इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी कर ली है। इसके विरोध में 6 अगस्त से शुरू हुई इस हड़ताल के कारण आम जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण काम रुक गए हैं। नामांतरण, बटांकन, सीमांकन और जाति प्रमाण पत्र जैसे काम प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि, अधिकारियों ने प्राकृतिक आपदा से संबंधित काम करना जारी रखा है। इस हड़ताल ने सरकार और राजस्व अधिकारियों के बीच तनाव बढ़ा दिया है, जिसका सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ रहा है।

काम का बोझ घटाने के बजाए नीतिगत विसंगति

यह सही है कि तहसीलदार और नायब तहसीलदारों पर पहले से ही काम का बोझ है। एक अधिकारी दिन में कई कामों को पूरा करता है, जिसमें पोर्टल से जुड़े अधिकांश कार्य शामिल है। तहसीलदारों को आरसीएमएस के जरिए राजस्व प्रकरण, एमपी पोर्टल में आय, मूल निवासी, जाति प्रमाण पत्र के प्रकरण निबटाने का जिम्मा है। अगर यह काम समय-सीमा में नहीं होते हैं तो उनपर पेनाल्टी का भी प्रावधान है। इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन, पीएम किसान सम्मान निधि, सारा एप के जरिए गिरदावरी और सबसे महत्वपूर्ण एमपी भू-अभिलेख पोर्टल पर प्रकरणों का निबटारा या अद्यतन करना होता है। एग्री टेक पोर्टल पर फार्मर आईडी बनाने और आईआईएफएमएस पोर्टल पर राजस्व भुगतान की जिम्मेदारी भी तहसीलदार साहेबान पर ही है। सरकार ने काम का बोझ तो कम किया, लेकिन साथ ही अधिकारों का ऐसा विकेंद्रीकरण किया है जो अव्यवहारिक है। दरअसल, एक तहसीलदार के पास कार्यपालिक मजिस्ट्रेट का पद महत्वपूर्ण होता है। यह कचहरी के प्रमुख माने जाने वाले इस अधिकारी के लिए जरूरी भी है और गरिमापूर्ण भी है। लेकिन फील्ड में अलग दायित्व और तहसील में अलग दायित्व मिलने के बाद अधिकारों में कटौती हो जाएगी। आम बोल-चाल में कहें तो रुतबे में कमी आ सकती है। इससे तहसीलदार नाराज हैं। वहीं यह आदेश व्यवहारिक रूप से भी सही नहीं बताया जा रहा है।

सरकार चाहती क्या है?

सूत्र बताते हैं कि सरकार की मंशा तहसीलदारों की कार्यक्षमता का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की है। आमतौर पर फील्ड संबंधी विभिन्न कार्यों जैसे अतिक्रमण, वीआईपी ड्यूटी, नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों के विवाद सुलझाने आदि कामों में तहसीलदारों को ही पुलिस के साथ फील्ड में उतारा जाता है। इस दौरान तहसीलदार न्यायालय में आमजन के कामों की धीमी पड़ जाती है। सरकार का तर्क है कि काम अधिक होने की वजह से तहसीलदार विभागीय कामों को पूरा समय नहीं दे पाते हैं। इसलिए उन्हें अलग-अलग कार्यों के लिए दायित्व सौंपे जा रहे हैं। सरल भाषा में कहें तो जो तहसीलदार दफ्तर संभालेंगे वे फील्ड में नहीं जाएंगे और जो फील्ड में जाएंगे उन्हें दफ्तर में बैठने की बाध्यता नहीं होगी। यही विवाद की असली जड़ है। क्योंकि राजस्व संबंधी कार्य बिना फील्ड में पहुंचे मुश्किल होते हैं। यही तर्क राजस्व अधिकारी दे रहे हैं और कार्य विभाजन का विरोध कर रहे हैं।

गांजा तस्करी के अन्य स्रोतों और नेटवर्क की जांच जारी

मृगवास पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 लाख का गांजा और 2 तस्कर गिरफ्तार

आरोपी कुंभ राज होते हुए बड़ोद गांव के रास्ते राजस्थान के छबड़ा जा रहे थे

गुना, देशबन्धु। गुना पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार तीसरी बड़ी कार्रवाई की है। मृगवास थाना पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 4 लाख रुपये का गांजा और तस्करी में इस्तेमाल की गई स्कूटी जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 6 अगस्त 2025 की शाम को मृगवास पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक स्कूटी से दो व्यक्ति गुना की तरफ से गांजा लेकर आ रहे हैं, जो कुंभराज होते हुए बड़ोद गांव के रास्ते राजस्थान के छबड़ा जा रहे हैं। सूचना मिलते ही मृगवास थाना प्रभारी उपनिरीक्षक गोपाल चौबे और उनकी टीम ने बड़ोद गांव में मंदिर वाली पुलिया के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद, पुलिस ने स्कूटी पर आ रहे दो व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की। उन्होंने अपनी पहचान जगदीश पुत्र बाबूलाल ओझा (31) निवासी पुरानी छावनी गुना और हुकुम सिंह पुत्र समरत सिंह राजपूत (43) निवासी शिव कॉलोनी केंट गुना के रूप में बताई। तलाशी लेने पर उनके पास एक प्लास्टिक के थैले में 7.260 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा और स्कूटी समेत कुल 5 लाख रुपये का सामान जब्त कर लिया और आरोपियों के खिलाफ अप.क्र. 116/25, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ में आरोपी हुकुम सिंह राजपूत ने बताया कि वह और उसका बेटा मलखान सिंह राजपूत दो-तीन दिन पहले यह गांजा महाराष्ट्र के सिरपुर से खरीदकर लाए थे। पुलिस ने इस जानकारी के आधार पर मामले में धारा 29 एनडीपीएस एक्ट जोड़ी और तीसरे आरोपी मलखान सिंह राजपूत (20) निवासी शिव कॉलोनी केंट गुना को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस फिलहाल गांजा तस्करी के अन्य स्रोतों और नेटवर्क की जांच कर रही है।

सार-समाचार

पोस्ट ऑफिस में अब मिलेंगी आधार कार्ड से जुड़ी नई सेवाएं

गुना, देशबन्धु। डाक विभाग ने अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए पोस्ट ऑफिस के एंड यूजर्स (सुविधा केंद्र) को फिर से सक्रिय किया है। इन केंद्रों पर अब लोगों को दो महत्वपूर्ण आधार संबंधी सेवाएं मिलेंगी। बच्चों का नया आधार कार्ड-0 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों का नया आधार कार्ड अब पोस्ट ऑफिस में बिल्कुल मुफ्त बनवाया जा सकेगा। इसके लिए बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। मोबाइल नंबर अपडेट- किसी भी आयु के व्यक्ति अपने आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट करवा सकते हैं। इस सेवा के लिए 50/- रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए ग्राहक को केवल एक वैध मोबाइल नंबर की जरूरत होगी। यह पहल आम जनता के लिए आधार सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाएगी, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें छोटे बच्चों का आधार बनवाने या अपने मोबाइल नंबर को अपडेट कराने में परेशानी होती थी।

15 अगस्त से चरणबद्ध तरीके से होंगी ग्राम सभाएं

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में जिले में 15 अगस्त से 20 अगस्त 2025 तक ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इन सभाओं में विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी और पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक दुबे ने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देश दिए हैं कि ग्राम सभाओं में नियमित एजेंडा बिंदुओं के साथ-साथ स्थानीय मुद्दों को भी शामिल किया जाए। इन ग्राम सभाओं में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जुड़ी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। इन आयोजनों का उद्देश्य लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

भार्गव की पहल से परिवार के पास नागपुर पहुंचा दीपक

गुना, देशबन्धु। गुना जिले के मधुसूदनगढ़ क्षेत्र में लावारिस हालत में मिला एक बच्चा, दीपक चंद्रलेश, अपने परिवार से सकुशल मिल गया है। समाजसेवी प्रमोद भार्गव के प्रयासों से यह संभव हो पाया, जिससे नागपुर में उसके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है। कुछ दिनों पहले समाजसेवी प्रमोद भार्गव को सूचना मिली थी कि मधुसूदनगढ़ में एक बच्चा अकेला भटक रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत बच्चे को गुना लाकर उसकी काउंसलिंग करवाई। काउंसलिंग में मिली जानकारी के आधार पर भार्गव ने बच्चे के परिवार की तलाश शुरू कर दी। इसी बीच उन्होंने दीपक को शिवपुरी के अपना घर आश्रम में भर्ती करा दिया।

दो दिनों की मेहनत रंग लाई:-प्रमोद भार्गव की

दो दिनों की कड़ी मेहनत के बाद बच्चे के परिवार का पता चल गया। दीपक महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला था, और उसके परिजन भी उसकी तलाश कर रहे थे। जानकारी मिलते ही नागपुर के समाजसेवी हितेश बनसौड़ गुना पहुंचे। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, हितेश बनसौड़ दीपक को लेकर नागपुर के लिए रवाना हो गए।

परिवार में खुशी का माहौल

आज दीपक चंद्रलेश अपने घर पहुंच गया है। वर्षों बाद अपने बेटे को देखकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

उनके चेहरे पर सुकून और आंखों में खुशी के आंसू साफ देखे जा सकते थे। दीपक के परिवार ने इस मानवीय कार्य के लिए प्रमोद भार्गव, हितेश बनसौड़ और अपना घर आश्रम का दिल से आभार व्यक्त किया।

आरोन पुलिस ने जानलेवा मारपीट के फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। आरोन थाना क्षेत्र के रुसल्लीखुर्द गांव में जानलेवा मारपीट के मामले में पिछले तीन महीनों से फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना 29 अप्रैल 2025 की है, जब अनिल राजपूत (30) ने आरोन अस्पताल में इलाज के दौरान पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया था कि गांव के ही पवन राजपूत और उसके परिवार के साथ उनका लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते पवन राजपूत, देवेंद्र राजपूत, सुनील राजपूत, गोलू मीणा और उनके चार अन्य साथियों ने मिलकर उन्हें और उनके छोटे भाई नीतेश को लाठी और लुहांगी से जान से मारने की नीयत से बेरहमी से पीटा था, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस शिकायत के आधार पर आरोन थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस तभी से फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी। आज, 7 अगस्त 2025 को मुखबिर से मिली सूचना पर आरोन थाना प्रभारी बृजमोहन सिंह भदौरिया और उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटना के बाद से फरार चल रहे आरोपी सुनील पुत्र रघुवीर सिंह राजपूत (32), निवासी रुसल्लीखुर्द को गिरफ्तार कर लिया।

गौसेवकों ने एसपी को दिया ज्ञापन, जताया आक्रोश

गाय की नाक में ताला लगाने वाले का सुराग देने पर 18 हजार का इनाम

गुना, देशबन्धु। जिले के जामनेर कस्बे में गाय की नाक में ताला लगाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना की जानकारी मिलने पर जिलेभर के गौ सेवक आक्रोशित नजर आ रहे हैं। गौसेवकों ने पशु क्रूरता की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को पकड़ने पर 18 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया है। गौरतलब है कि 4 अगस्त को मधुसूदनगढ़ क्षेत्र के जामनेर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा निराश्रित गाय की कान में साइकिल वाला ताला लगा दिया गया था। आरोपी की क्रूरता और हैवानियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गाय की नाक से ताला निकालने के लिए चिकित्सक को बुलाना पड़ा, जिन्होंने कड़ी मेहनत के बाद कटर मशीन की सहायता से गाय के नाक से ताला निकाला था। धीरे-धीरे घटनाक्रम पूरे जिले में वायरल हो रहा है। गुरुवार को बड़ी संख्या में गौसेवक जिला मुख्यालय पर एकत्रित होकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। गौसेवकों ने एसपी से गाय के साथ क्रूरता करने वाले अज्ञात शख्स को गिरफ्तार करवाने की मांग की है। साथ ही जामनेर गौ सेवा की टीम ने 5 हजार रुपए, ऊमरी गौ सेवा टीम द्वारा 2100 रुपए और गुना गौ सेवा टीम की ओर से आरोपी के बारे में जानकारी पर 11 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है। इस तरह 3 अलग-अलग क्षेत्रों की टीमों द्वारा गाय की नाक में ताला लगाकर क्रूरता करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी या सुराग देने वालों को 18 हजार रुपए नगद देने का इनाम घोषित किया गया है।

राष्ट्रीय किसान संगठन ने मुख्यमंत्री को पहुंचाई किसानों की मांगें

किसानों की समस्याओं पर 2 दिन हुआ मंथन

गुना। राष्ट्रीय किसान संगठन का प्रांतीय अभ्यास वर्ग 6 और 7 जुलाई को गुना में आयोजित किया गया। अभ्यास वर्ग में गुना सहित 14 जिलों से संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए और किसानों की समस्याओं पर मंथन किया गया। राष्ट्रीय किसान संगठन ने अभ्यास वर्ग में उभरकर सामने आईं किसानों की 16 सूत्रीय मांगों और समस्याओं को राज्य सरकार तक पहुंचाने के लिए गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। किसानों द्वारा दिए गए ज्ञापन में खासतौर पर प्राकृतिक आपदा से खराब हुई फसलों का सर्वे कराया जाकर फसल बीमा का लाभ दिलाने की मांग की गई है। संगठन के प्रांतीय अधिवेशन में आए किसानों ने उपज का लागत के आधार पर 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर लाभकारी मूल्य दिए जाने की मांग सीएम से की है। किसानों ने कहा है कि उन्हें समर्थन मूल्य की गारंटी दी जाए। इसके अलावा कृषि ऋण में किसानों की जमीन नीलाम न हो ऐसी व्यवस्था सरकार से करने की मांग की गई है। किसानों ने मुख्यमंत्री और प्रदेश से कहा है कि मप्र के हर किसान को सहकारी समितियों द्वारा नगद व उधार बीज उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें बीज के लिए बाजार में भटकने की आवश्यकता न पड़े। किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा व मौसम आधारित फसल बीमा से निजी कंपनियों को बाहर करने और फसल बीमा का प्रीमियम सरकार द्वारा भरने की मांग ज्ञापन के माध्यम से की गई है। इसके अलावा दूध का न्यूनतम समर्थन मूल्य 70 रुपए प्रति लीटर करने की मांग किसानों की ओर से प्रदेश की भाजपा सरकार से की गई है।

कलेक्टर और एसपी ने पुलिस लाइन में 15 अगस्त की तैयारियों का जायजा लिया

अशोकनगर, अशोकनगर। कलेक्टर आदित्य सिंह और पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन ने गुरुवार शाम पुलिस परेड ग्राउंड का दौरा किया। उन्होंने 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर सभी तैयारियां समय से पूर्ण की जाएं। कलेक्टर ने ग्राउंड की लेवलिंग, साफ-सफाई और बेरिकेटिंग के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संदेश के लाइव प्रसारण के लिए उचित स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाने के निर्देश भी दिए गए। बारिश के मौसम को देखते हुए वाटरप्रूफ टेंट लगाने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा बैठक व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, एम्बुलेंस और आमंत्रण सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक जैन ने परेड में भाग लेने वाली टुकड़ियों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने परेड की रिहर्सल कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि संपूर्ण कार्यक्रम की अंतिम रिहर्सल 13 अगस्त को सुबह 9 बजे से की जाए। उन्होंने सभी आवश्यक तैयारियां और व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

सितंबर से बदलेगा राशन वितरण का अनुपात प्रति व्यक्ति 4 किलो गेहूं और 1 किलो चावल मिलेगा

गुना, देशबन्धु। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में शामिल परिवारों के लिए सितंबर 2025 से राशन वितरण के अनुपात में बदलाव किया है। अब पात्र परिवारों को पहले से तय मात्रा के अनुसार गेहूं और चावल का वितरण किया जाएगा।

जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पांडेय ने बताया कि सितंबर 2025 से अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता परिवारों के लिए अनाज वितरण का अनुपात संशोधित किया गया है। अंत्योदय अन्न योजना के परिवार- इन्हें प्रति परिवार 30 किलोग्राम गेहूं और 5 किलोग्राम चावल, यानी कुल 35 किलोग्राम राशन मिलेगा। प्राथमिकता वाले परिवार- इन परिवारों के प्रत्येक सदस्य को 4 किलोग्राम गेहूं और 1 किलोग्राम चावल, यानी कुल 5 किलोग्राम राशन मिलेगा। सभी उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को इन निदेर्शों का पालन करने और सितंबर 2025 से इसी अनुपात में राशन वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

हेलमेट पहनने की दिलाई शपथ

यातायात पुलिस और स्कूली छात्रों ने अनोखे ढंग से मनाया रक्षाबंधन

गुना, देशबन्धु। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से गुना यातायात पुलिस ने स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर जयस्तंभ चौराहे पर एक अनोखा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। रक्षाबंधन के पर्व को ध्यान में रखते हुए, छात्राओं ने बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चला रहे चालकों को रोककर राखी बांधी और उन्हें हेलमेट तोहफे में देकर भविष्य में हमेशा हेलमेट पहनने का वचन लिया। यह पहल गुना पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर और डीएसपी यातायात मुकेश कुमार दीक्षित के निर्देशन में की गई। यातायात प्रभारी अजय प्रताप सिंह कुशवाह ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 के छात्रों और शिक्षकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को अंजाम दिया। कार्यक्रम के दौरान, बिना हेलमेट पहने वाहन चालकों को रोका गया। छात्रों ने उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों और हेलमेट के महत्व के बारे में समझाया। छात्राओं ने चालकों के माथे पर तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर और राखी बांधकर उनसे वादा लिया कि वे अब से हमेशा हेलमेट पहनकर ही दोपहिया वाहन चलाएंगे। बदले में, चालकों ने भी अपनी बहनों को यह वचन दिया। यातायात प्रभारी अजय प्रताप सिंह कुशवाह द्वारा निःशुल्क हेलमेट की व्यवस्था की गई थी, जिन्हें छात्राओं ने चालकों को भेंट किया।

इस दौरान एक भावनात्मक संदेश भी दिया गया:-रक्षाबंधन पर ये वादा निभाएंगे, हेलमेट पहनकर ही सड़कों पर जाएंगे। तेरे प्यार को यूं व्यर्थ न जाने देंगे, सुरक्षा में ही जीवन को सजाएंगे। यातायात प्रभारी अजय प्रताप सिंह कुशवाह ने कहा कि हेलमेट सिर्फ एक नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षक कवच है। यह सिर की गंभीर चोटों से बचाता है और दुर्घटना में मौत की संभावना को 60 प्रतिशत तक कम कर देता है। उन्होंने सभी दोपहिया वाहन चालकों से अपील की कि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट पहनें।

सार-समाचार

हर घर तिरंगा अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता और रैली आयोजित

रायसेन, देशबन्धु। जिले में चलाए जा रहे ''हर घर तिरंगा'' अभियान के तहत रायसेन स्थित शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नगर पालिका परिषद द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 90 छात्राओं ने सहभागिता की। इसके उपरांत तिरंगा रैली भी निकाली गई जिसमें छात्राएं, शिक्षक तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के साथ ही जिले में भी 02 अगस्त से हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता और स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान चलाया जा रहा है, जो 15 अगस्त तक चलेगा। इस वर्ष की थीम ष्स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संगष् निर्धारित की गई है। अभियान के तहत प्रत्येक गांव, प्रत्येक निकाय और वार्ड में राष्ट्र भक्ति के वातावरण में तिरंगे पर केन्द्रित गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

जिले में अब तक 1055.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायसेन, देशबन्धु। जिले में 01 जून 2025 से 07 अगस्त 2025 तक 1055.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 214.8 मिलीमीटर अधिक है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून 2025 से 07 अगस्त 2025 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 809.8 मिलीमीटर, गैरतगंज में 971, बेगमगंज में 1202.3, सिलवानी में 1215.2, गौहरगंज में 757.1, बरेली में 1167.8, उदयपुरा में 1504, बाड़ी में 981.5, सुल्तानपुर में 856.2 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 1090.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में विगत 24 घण्टे में कहीं बारिश दर्ज नहीं की गई।

जिला पंचायत की स्थाई शिक्षा समिति की बैठक 08 को

देवास, देशबन्धु। जिला पंचायत देवास की स्थानई शिक्षा समिति की बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में सभापति स्थाई शिक्षा समिति श्री रघुवीरसिंह बघेल की अध्याक्षता में 08 अगस्तस को दोपहर 02.30 बजे होगी। सचिव स्थाशई शिक्षा समिति ने सभी संबंधितों से बैठक में उपस्थित रहने को कहा है। बैठक में जर्जन भवन, शाला भवन की मरम्मशत सहित अन्यम विषयों की समीक्षा की जायेगी।

युवा संगम में 283 युवाओं का चयन हुआ

देवास, देशबन्धु। देवास जिले के युवाओं को निजी संस्थाओं में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, रोजगार कार्यालय एवं आईटीआई देवास द्वारा युवा संगम का आयोजन आईटीआई परिसर देवास में किया गया। मेले में उपस्थित विभिन्न निजी संस्थाओं द्वारा अप्रेन्टीस रोजगार देने के लिये 283 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया एवं ऑफर लेटर दिया। युवा संगम में रोजगार, अप्रेंटिसशिप, स्व रोजगार के लिए 510 आवेदकों ने पंजीयन कराया। युवा संगम में उपस्थित युवाओं को रोजगार मार्गदर्शन दिया गया एवं कैरियर काउन्सिलिंग की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेले में उपस्थित होने वाले आवेदकों का स्वास्थय परीक्षण किया एवं दवाईयों का वितरण किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए समितियां गठित

रायसेन, देशबन्धु। जिला मुख्यालय रायसेन के समीप स्थित होमगार्ड परेड मैदान पर 15 अगस्त 2025 को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में आयोजित होने वाले परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार निर्णायक/चयन समितियां गठित की गई हैं। परेड हेतु गठित समिति में डॉ यशपाल सिंह बाल्यान सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय रायसेन, श्री जगदीश भील जिला परिवहन अधिकारी तथा श्री रामकृष्ण चौरे जेल अधीक्षक जिला जेल रायसेन को शामिल किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु गठित समिति में डॉ किशोर जॉन प्राचार्य पीएमश्री अग्रणी स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय रायसेन, श्रीमती इशरत खान सीनियर प्रोफेसर स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय रायसेन तथा श्रीमती अल्का सिंह डिप्टी कलेक्टर को शामिल किया गया है।

शैक्षणिक संस्थानों में तिरंगा गान किया जाएगा आयोजन

दमोह देशबन्धु। जिले की समस्त शैक्षणिक संस्थानों, जिसमें महाविद्यालय सभी प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल तथा हायर सेकंडरी विद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेज, समस्त आईटीआई, समस्त शासकीय तथा अशासकीय विभिन्न बोर्ड के विद्यालय में 8 अगस्त को सुबह प्रार्थना सभा के दौरान तिरंगा गान आयोजित किया जाएगा। जिसमें सभी विद्यार्थी हाथ में तिरंगा लेकर तिरंगा पर आधारित गायन में सहभागिता करेंगे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने नोडल जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए

तीन माह से नहीं मिला था वेतन, नपा कर्मचारी ने लगाया फंदा

आर्थिक तंगी से परेशान होकर उठाया कदम, परिजनों, नपा कर्मियों ने किया हंगामा

रायसेन, देशबन्धु। तीन महीने से वेतन नहीं मिलने से आर्थिक संकट से जूझ रहे नगर पालिका के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी ने बुधर रात अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही नपा के कर्मचारी बड़ी संख्या में एकत्र हुए और न्याय की ममांग को लेकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कर्मचारियों और मृतक के परिजनों को समझाकर शव की पीएम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। साथ ही परिजनों की मांग पर तत्काल मृतक की पत्नी और भाई को नपा के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति की कार्रवाई की जानकारी के अनुसार नपा में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी जेसीबी चालक मनोज लोधी ने मानसिक तनाव के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मनोज पिछले 3 महीने से वेतन न मिलने से काफी परेशान था। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मनोज ने बुधवार की रात करीब 11 बजे अपने घर में ही फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। इस कमरे में उसका भांजा भूपेंद्र लोधी सो रहा था। जब उसने मनोज का शव लटका देखा वह घबरा गया और तुरंत कोतवाली में सूचना दी। उसके बाद पुलिस और नपा के कुछ कर्मचारी मौके पर पहुंचे मनोज के शव को उतारकर जिला अस्पताल लाया गया।

हमेशा रहता है वेतन का संकट

नगर पालिका रायसेन के कर्मचारियों को कभी हर माह वेतन नहीं मिलता है। विशेषकर त्यौहार के समय वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों का संकट बढ़ जाता है। यह स्थिति सालों से चल रही है। हर कर्मचारी का दो से तीन माह का वेतन अटका रहता है। रक्षाबंधन से पहले वेतन नहीं मिलने से मनोज तनाव में था। जिससे उसने यह कदम उठाया।

बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा उपेक्षा की शिकार

चबूतरे पर लगा कुत्तों का डेरा

सांची, देशबन्धु। बौद्ध अनुयायियों के लिए प्रसिद्ध तीर्थ स्थल सांची में इन दिनों उपेक्षा की तस्वीरें सामने आ रही हैं। नगर के बस स्टैंड परिसर में स्थापित संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के चबूतरे पर कुत्तों का जमावड़ा आम हो गया है। यह दृश्य न केवल असहज करने वाला है, बल्कि बाबा साहेब के सम्मान के साथ भी अन्यायपूर्ण प्रतीत होता है।

ज्ञात हो कि नगर में बौद्ध अनुयायियों की बड़ी संख्या है, जो बाबा साहेब को नमन करने नियमित रूप से प्रतिमा स्थल पर पहुंचते हैं। वर्षों पूर्व नगर के सामाजिक कार्यकर्ताओं की पहल पर यहां डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई थी, जिसका लोकार्पण तत्कालीन कांग्रेस नेता डॉ. प्रभुराम चौधरी द्वारा किया गया था। प्रतिमा को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा नुकसान पहुंचाने के बाद, बाबा साहेब के अनुयायियों ने मिलकर नवीन प्रतिमा स्थापित करवाई।

वर्तमान स्थिति यह है कि प्रतिमा के चारों ओर की साफ-सफाई व देखरेख पूरी तरह उपेक्षित है। एक तरफ़ जहां सांची जैसे पावन स्थल पर बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित होना गर्व का विषय है, वहीं दूसरी ओर उसकी उपेक्षा चिंताजनक है। अब देखना यह होगा कि वादे कितनी शीघ्रता से अमल में लाए जाते हैं और यह स्थल सम्मानपूर्वक संरक्षित किया जाता है या नहीं।

इनका कहना है

- हम शीघ्र ही चबूतरे के चारों तरफ रैलिंग लगवाकर इसे सुरक्षित और गरिमामय बनाएंगे, प्रतिमा की गरिमा हमारी प्राथमिकता है।

पप्पू रेवाराम,
अध्यक्ष नगर परिषद

- प्रतिमा की सुरक्षा और सफाई को लेकर जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कुत्तों को नियंत्रित करने तथा स्थल को सुव्यवस्थित करने के लिए विशेष निर्देश दिए जाएंगे।

रामलाल कुशवाह,
सीएमओ नगर परिषद

कलेक्टर तथा एसपी द्वारा कार्यक्रम की तैयारियों का लिया गया जायजा

मुख्यमंत्री आज तामोट में औद्योगिक इकाईयों का करेंगे भूमिपूजन और लोकार्पण

रायसेन, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 08 अगस्त 2025 को रायसेन जिले में औद्योगिक क्षेत्र प्लास्टिक पार्क तामोट में नवीन औद्योगिक इकाईयों का भूमिपूजन तथा आशय पत्र वितरण कार्यक्रम सम्पन्न होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा उद्योगपतियों से संवाद भी किया जाएगा। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डे द्वारा गुरूवार को तामोट पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेते हुए अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर एएसपी श्री कमलेश कुमार, गौहरगंज एसडीएम श्री चन्द्रशेखर श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 08 अगस्त को दोपहर लगभग 12 बजे औबेदुल्लागंज पहुचेंगे। मुख्यमंत्री यहां औद्योगिक इकाई सागर मेन्युफेक्चरर प्रा.लि. का भ्रमण करेंगे और रक्षाबंधन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव दोपहर लगभग 12.40 बजे औद्योगिक क्षेत्र तामोट में कार्यक्रम स्थल पर पहुचेंगे तथा यहां औद्योगिक इकाईयों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। इसके उपरांत मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इकाई आनंद टेक प्लास्ट प्राईवेट लिमिटेड प्लास्टिक पार्क तामोट का का भ्रमण करेंगे। दोपहर लगभग 02.10 बजे मुख्यमंत्री द्वारा तिरंगा यात्रा का फलेग ऑफ किया जाएगा तथा इसके उपरांत कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान करेंगे। कार्यक्रम में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा भी सम्मिलित होंगे।

जेल में परिरूद्ध बंदी भाईयों को राखी बांध सकेंगी बहनें

रायसेन, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन जेल विभाग एवं जेल मुख्यालय मप्र भोपाल के आदेशानुसार 09 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन पर्व पर बहनों को जेल में परिरूद्ध बंदी भाईयों को प्रत्यक्ष रूप से राखी बांधने की अनुमति दी है। जिला जेल अधीक्षक ने बताया कि 09 अगस्त 2025 को प्रात: 08 बजे से दोपहर 02 बजे तक जेल गेट के अंदर प्रत्यक्ष मुलाकात व राखी बांधने का कार्यक्रम रखा जाएगा। यह आयोजन प्रशासनिक व्यवस्था व सुरक्षा के साथ किया जाएगा। इच्छुक बहनें शांति व्यवस्था के साथ अपने बंदी भाईयों को राखी बांध सकती हैं।

जिला जेल अधीक्षक ने बताया कि रक्षाबंधन पर केवल महिलाओं को मुलाकात की अनुमति दी जाएगी तथा मुलाकात का समय प्रात: 08 बजे से दोपहर 02 बजे तक रहेगा। मुलाकात करने की समय सीमा 15 मिनट रहेगी। महिलाओं के साथ 06 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मुलाकात पंजीयन के लिए फोटोयुक्त परिचय पत्र अथवा आधार कार्ड की छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य है। एक बंदी से एक ही बार मुलाकात होगी, इसलिए सभी बहनें एक साथ आएं। हल्दी, कुमकुम, अक्षत एवं स्टील की थाली जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। जेल के महिला स्टॉफ द्वारा प्रतिबंधित वस्तुओं की जांच की जाएगी।

इन वस्तुओं पर रहेगा प्रतिबंध

जिला जेल अधीक्षक ने बताया कि महिलाएं अपने साथ झोला, बैग, पर्स, कैरीबैग आदि गेट के अंदर नहीं ला सकेंगी। साथ ही नकद राशि, मोबाईल, नशीली वस्तुएं, धारदार वस्तुएं, खाने-पीने की वस्तुएं भी साथ नहीं ला सकेगीं। नियम व निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं ने किया चक्काजाम

पुलिस की समझाइश के बाद समाप्त हुआ चक्काजाम

- पठापोड़ी गांव में महिलाओं ने लाठी-डंडों के साथ जताया विरोध

सिलवानी, देशबन्धु। ग्राम पठापोड़ी में आज अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। सिलवानी-उदयपुरा स्टेट हाइवे (राज्य मार्ग 44) पर दर्जनों महिलाएं लाठी-डंडों के साथ सड़कों पर उतर आईं और शराब से भरी बोतलें जब्त कर चक्काजाम कर दिया। महिलाएं सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगीं और राज्य मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है, जिससे युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है और घरेलू जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रशासन और पुलिस को शिकायत की, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने के चलते आज उन्हें खुद मोर्चा संभालना पड़ा।

महिलाओं के हाथों में शराब की बोतलें और लाठियां थीं, जिसे लेकर वे सड़क पर डटी रहीं।

सूचना मिलने पर सिलवानी पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को शांत कराने के लिए समझाइश दी। लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद महिलाओं ने चक्काजाम समाप्त किया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो पाया।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि युवाओं को इस जहर से बचाया जा सके।

बारिश का दौर थमते ही बढ़ी उमस और गर्मी

सिलवानी, देशबन्धु। क्षेत्र में पिछले चार-पांच दिनों से बारिश का दौर थम गया है, जिससे मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। लगातार बारिश के बाद अब तेज धूप और बढ़ती उमस ने लोगों को गर्मी का अहसास करा दिया है।

सूरज की तीखी किरणों के चलते दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकलते हैं, वे धूप से बचाव के लिए छाते या गमछे का सहारा ले रहे हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि कुछ दिनों पहले तक मौसम सुहावना था, लेकिन अब उमस ने परेशान करना शुरू कर दिया है। किसानों को भी अब अगली बारिश का इंतजार है ताकि खेतों में चल रहे कार्यों को गति मिल सके।

मिठाइयों की दुकानों में बढ़ी रौनक, खुले में बिक रहे खाद्यान्न

बिना तारीख की मिठाइयाँ बनीं चिंता का विषय

सिलवानी, देशबन्धु। रक्षाबंधन के अवसर पर बाजारों में मिठाइयों की दुकानों पर खूब चहल-पहल देखी जा रही है। रंग-बिरंगी मिठाइयों से सजी दुकानों ने ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित किया है, लेकिन इन मिठाइयों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर के कई इलाकों में मिठाइयाँ खुले में बेची जा रही हैं, जिससे उनमें धूल-मिट्टी और कीटाणु लगने का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा, दुकानदारों द्वारा मिठाइयों पर न तो निर्माण की तारीख और न ही उपभोग की अंतिम तिथि अंकित की जा रही है। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार, मिठाइयों पर इन विवरणों का होना अनिवार्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहारों के मौसम में मिठाइयों में मिलावट की आशंका बढ़ जाती है। कई बार रंग-बिरंगी मिठाइयों में हानिकारक रंगों और सस्ते घटिया पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकते हैं। खुले में बिक रही खाद्यान्न सामग्री और बिना जानकारी के मिठाइयाँ खाद्य सुरक्षा विभाग की लापरवाही की ओर भी इशारा करती हैं। जागरूक नागरिकों ने संबंधित विभागों से कार्रवाई की मांग की है ताकि त्योहार की खुशियाँ किसी की सेहत पर भारी न पड़ें।

हर्षोल्लास से मनेगा रक्षाबंधन का पर्व

बाजार में 10 से लेकर 5 सौ रुपए तक की राखियां उपलब्ध

सिलवानी, देशबन्धु। भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व इस बार विशेष संयोगों के साथ 9 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। शनिवार को बहनें भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र (राखी) बांधने के लिए पूरा दिन मिलेगा, क्योंकि इस वर्ष भद्रा का कोई प्रभाव नहीं रहेगा। इधर त्यौहार की तैयारियों के चलते इन दिनों नगर के बाजार में महिलाएं जमकर खरीदारी कर रही हैं। वहीं पर्व को मनाने के लिए विवाहित महिलाएं अपने मायके जाने लगी हैं।

पंडित भूपेंद्र शास्त्री के अनुसार रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। पूर्णिमा तिथि 8 अगस्त को दोपहर 2.13 बजे से शुरू हो जाएगी। वहीं पूर्णिमा तिथि का समापन 9 अगस्त को दोपहर 1.24 पर होगा। उदया तिथि के अनुसार रक्षाबंधन का त्योहार 9 अगस्त को ही मनाया जाएगा। 8 अगस्त के दिन ही भद्रा का साया खत्म हो जाएगा, इस वजह से रक्षाबंधन का दिन भद्रा से मुक्त रहेगा। शनिवार को राखी बांधने के लिए सूर्योदय से लेकर दोपहर 1.24 बजे तक का समय सबसे शुभ रहेगा। इसके साथ ही अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.48 से दोपहर 12.40 बजे तक रहेगा।

बाजार में रौनक का माहौल

रक्षाबंधन पर्व के चलते नगर के बाजार में इस समय रौनक का माहौल है। राखियों, कपड़ों और उपहारों की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है। बाजार में तरह-तरह की राखियां, बच्चों के लिए कार्टून थीम वाली राखियां, बहनों के लिए गिफ्ट पैक, भाईयों के लिए कुर्ते-पायजामे और घर की सजावट से संबंधित सामग्री की भरमार है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार महंगाई के बावजूद ग्राहकों की संख्या में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है।

इस बार राखियों में पारंपरिक और डिजाइनर दोनों ही प्रकार की मांग है। 10 रुपए से लेकर 500 रुपये तक की राखियां बाजार में उपलब्ध हैं। इधर मिठाई विक्रेताओं ने भी नए-नए स्वाद और डिजाइनों की मिठाइयां बाजार में उतारी हैं। वहीं पर्व को लेकर जहां एक ओर बाजार में रौनक है, वहीं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी राखियों और उपहारों की बंपर बिक्री हो रही है। कई बहनों के द्वारा रखी की खरीदी ऑनलाइन की जा रही है।

सार समाचार

अवैध परिवहन करते ट्रक जप्त

सिरोंज, देशबन्धु। गत शाम रेंजर बृज मीणा के निर्देश पर वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने एक ट्रक को पकड़ा जिसमें पत्थर भरा हुआ था. अमले को देखकर ट्रक का चालक पत्थर भरे ट्रक को लटेरी रोड पर छोड़कर भाग गया जिसे वन विभाग के कर्मचारी वन विभाग कार्यालय के सामने खड़ा कर दिया।जांच अधिकारी डिप्टी डेंजर शफीक खान ने बताया कि वन अपराध पंजीबद्ध मामले की जांच की जा रही है कि परिवहन करने वालों के पास टीपी है कि नहीं। आगे कार्यवाही जांच के आधार पर की जाएगी अब जिम्मेदारों के आने के बाद आगामी कार्यवाही की जावेगी।

हर घर तिरंगा अभियान का नपा प्रबंधन ने किया प्रचार

सिरोंज, देशबन्धु। नगर पालिका परिषद सिरोंज, हर घर तिरंगा अभियान प्रचार, नागरिकों से आग्रह अपने अपने घर तिरंगा लगाएं ,कार्यक्रम मे नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, पार्षद इमरान कुरैशी एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुएं में मिला शव, पुलिस ने किया प्रकरण कायम

सिरोंज, देशबन्धु। स्थानीय थानार्गत गुरूवार को सुबह पौने नो बजे के करीब सिंकदरपुरा वाले कागदीपुरा देशी शराब दुकान के पास स्थित अनुपयोगी कुआं एक शव मिला जिसको नपा ने निकलवाया जिसपर उसकी शिनाख्त वार्ड क्र17 अलीगंज पहाड़ निवासी 45 वर्षीय कोमल प्रसाद शाक्य के रुप पहचान हुयी। मृतक के भतीजे अनुज शाक्य की सूचना पर पुलिस ने धारा 194 बीएनएस के तहत मर्ग प्रकरण कायम कर जांच में लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार चाचा के घर जा रहा था जिसपर चाची ने बताया कि कल रात से चाचा लापता है जिसपर कुएें में लाश मिलने की किसी सूचना दी तो कुएें के पास देखने पर चाचा की लाश के रुप में पहचान हुयी।

अवैध उत्खनन कर रही जेसीबी मशीन ट्रेक्टर ट्राली जप्त

आष्टा, देशबन्धु। राजस्व विभाग की भूमि पर अवैध रूप से उत्खनन करते हुए मुरम पत्थर चौरी छूपे ले जाई जा रही थी। आरोपीगणो जेसीबी मशीन के माध्यम से उत्खनन कर ट्रेक्टर ट्राली से लेजाई जा रही थी । एसडीएम नितिन कुमार टाले दल बल सहित पुलिस के साथ मौके पर पहूंचे और एक जेसीबी मशीन उत्खनन करते हुए जप्त की साथ में ट्राली में भरी मुरम ट्रेक्टर सहित जप्त कर कार्यवाही की गई। एसडीएम नितिन .कुमार टाले ने बताया कि ग्राम झीकड़ी की शासकीय भूमि खसरा नम्बर 9/1/1/4 से 6/9/1/1/10 तक कुल रकबा 0.405 की भूमि पर बिना अनुमति के मुरम का उत्खनन कार्य जेसीबी से किया जा रहा था । जिसका नम्बर एमपी 09 जीएच 2618 वाहन मालिक शकील खां पिता असद खां निवासी डेरिया तहसील कन्नौद बताई गई। साथ में बिना नम्बर का ट्रेक्टर जप्त किया गया । ट्रेक्टर मालिक जावेद पिता अशरफ निवासी सिंगारचौरी का है ट्रेक्टर ट्राली एवं जेसीबी मशीन जप्त कर सिद्दीकगंज थाना में खड़ी की गई।

10, 400/- का शमन शुल्क वसूल

विशेष चेकिंग अभियान: 11 वाहन चालकों पर कार्रवाई

सिरोंज, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिरोंज सोनू डाबर के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी सूबेदार रितेश वागेला द्वारा गुरूवार को स्कूली वाहनों पर एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान स्कूल वैन और ऑटो रिक्शा की गहन जांच की गई।

जिसमें वाहन दस्तावेजों में अनियमितता, सुरक्षा उपकरणों की कमी तथा ओवरलोडिंग जैसे गंभीर उल्लंघन पाए गए।

जिसमें स्कूली वाहन एवं यात्री वाहनों की जांच की गयी।कुल चालानी कार्रवाई= 11 वाहन जिससे कुल शमन शुल्क= ?10,400/- वसूला गया और उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को मौके पर समझाइश दी गई कि वे रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, फिटनेस, परमिट, पीयूसी आदि कागजात पूर्ण रखें, वाहन में आपातकालीन खिड़की, प्राथमिक उपचार पेटी, अग्निशमन यंत्र अवश्य रखें तथा किसी भी प्रकार की ओवरलोडिंग, शराब सेवन, तेज गति या मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने से बचें। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों, उनके अभिभावकों, वाहन चालकों एवं स्कूल स्टाफ को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है, ताकि दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके एवं जनहानि को न्यूनतम किया जा सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में शिक्षिका की मौत

सिरोंज, देशबन्धु। सारथी सिटी में आज एक शिक्षिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई.बताया जाता है की शिक्षिका आज अपने किराए के निवास में मृत मिली। सूचना मिलते ही मामले की जांच करने पुलिस पहुंची और एफएसएल की टीम से व डॉग से जांच कराई गई।

दोपहर बाद मिली सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच देर शाम तक करती रही जो समाचार लिखे जाने तक जारी थी ।प्राप्त जानकारी के अनुसार मिशु राजपूत नामक महिला शिक्षिका जो ऊहर के ग्राम महू में कार्यरत थी वह सारथी सिटी में भगवान सिंह धाकड़ के मकान में किराए से रहती थी। उसका पति अमरपाल राजपूत कुरवाई मैं शिक्षक के पद पर पदस्थ है वह कुरवाई में ही रहता है।आज जब शिक्षिका मिंशु राजपूत स्कूल नहीं पहुंची तो उसकी तलाश की गई और जब पड़ोसियों से जानकारी मिली तब मामले का खुलासा हुआ। शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। समाचार लेकर जाने तक मामले की जाँच जारी है।जांच के बाद ही पता चलेगा की वारदात की असलियत क्या है। एसडीओपी सोनू डावर ने बताया कि अभी हम घटनास्थल पर ही हैं और परीक्षण हो रहा है।उन्होंने बताया महिला की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है।

तेज आवाज में डीजे बजाने वाले 8 संचालकों पर कार्रवाई

सीहोर, देशबन्धु। सीहोर कोतवाली पुलिस द्वारा बिना अनुमति के तेज आवाज में डीजे बजाने, ध्वनि प्रदूषण फैलाने तथा वाहनों पर आकार से बड़े साउंड सिस्टम लगाकर राजमार्ग पर यातायात बाधित करने वाले 8 डीजे संचालको पर कार्यवाही की गई है।

सीहोर में गत दिवस 06 अगस्त को कांवड़ यात्रा निकाली गई थी, जिसमें श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने के कारण हाईवे पर अधिक ट्रैफिक था। इस दौरान यह डीजे संचालक ध्वनि तीव्रता की निर्धारित सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजा रहे थे तथा वाहनों पर उनके आकार से कई अधिक बड़े-बड़े साउंड सिस्टम लगाकर यातायात बाधित कर रहे थे। इस बात की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक श्री रविंद्र यादव तथा उनकी टीम द्वारा अलग-अलग स्थानों से 08 डीजे जब्त किए गए तथा उनके विरुद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

पुलिस द्वारा जिन डीजे संचालकों पर कार्रवाई की गई है उनमें त्रिनेत्र डीजे संचालक निखिल कुमार निवासी गुजरात, नटराज डीजे संचालक निवासी भोपाल, कसाना डीजे संचालक राजा सोलंकी निवासी सीहोर, छत्तीसगढ़ से आए डीजे संचालक स्वदेश छीरेले, बाबा डीजे संचालक कमलेश कुशवाह निवासी सीहोर, प्रशांत डीजे संचालक अश्विन काटने निवासी भोपाल, झारखंड से आए डीजे संचालक बाबूलाल तथा उत्तरप्रदेश से आए डीजे संचालक राजेंद्र पर कार्रवाई की गई है।

विदेशी सामानों पर निर्भरता पूरी तरह खत्म करें

गंजबासौदा देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक गुरूदेव डा इन्द्रेश कुमार के आह्वान पर पूरे देश मे मुस्लिम राष्ट्रीय मंच स्वदेशी जागरण के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इसी के तहत गुरुवार को स्वदेशी राखी निर्माण कार्य शाला आयोजित कर स्वदेशी राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही घर घर तिरंगा कार्यक्रम अंतर्गत देशभक्ति के वातावरण का जागरण करने,तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तीनो सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन व स्वदेशी राखियों का प्रेषण प्रमुख आयोजन हुऐ। मुख्य वक्ता सैयद

शफाकत हुसैन कादरी ने विदेशी वस्तुऔ विदेशी सामान आनलाइन व्यापार पर शत प्रतिशत निर्भरता कम करने व अधिक से अधिक स्वदेशी सामान का दैनिक जीवन भे इस्तेमाल किऐ जाने का आह्वान किया। उन्होने बताया चीन अमरिका हमको अपना सामान बैचकर हमारे शत्रु देश , विश्व मे आतंकवाद का सबसे बडा अडडा पाकिस्तान और उसके पिछलग्गू देश बांग्लादेश को भारत के विरुद्ध हथियार चलाने डालर देते है समय समय पर बडी मदद करते रहते है ताकि यह देश भारत के आंतरिक भागो मे दंगा-फसाद फैला सके। भारतीय पुलिस-प्रशासन बधाई का पात्र है जो हमारे घर मे छिपे पाकिस्तानी आतंकवादी जासूसो को रोज कही न कही ऊजागर कर रहे है यह हमारी सुरक्षा एजेंसीज की बहुत बडी सफलता है ।आइऐ हम सभी आज संकल्प ले विदेशी चीनी अमेरिका मे निर्मित कोई भी राखी भाई की कलाई पर नही बाधेगे, विदेशी लाइट की झालर से घर मंदिर-मस्जिद मजार दरगाह नही सजाऐगे ।

समाजसेवी फेरन सिंह ने सभी से कहा हम सबको कितना भी लाभ मिलता हो विदेशी सामान न खरीदेगे न बेचेगे। हम अपने घर परिवार आसपास के मुहलले गाव गाव से विदेशी कंपनियो को भगाना होगा इसका एक ही तरीका है स्वदेशी कंपनीज के सामान ही खरीदे। इस अवसर पर गुड्डी बाई, भगवान दास,कैलाश पंथी,ललिता बाई,कैलाश लोधी,ऊषा सेन,सुनील पंथी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद हुए।

युवा कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर के विरोध में सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा, देशबन्धु। युवा कांग्रेस ने विद्युत मंडल द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों के विरोध में गुरुवार को तहसील परिसर तक पैदल मार्च निकाला और अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने स्टेशन के पास से पैदल मार्च शुरू किया, जो नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुंचा। ज्ञापन सौंपने के बाद सभी कार्यकर्ता विद्युत मंडल कार्यालय गए और वहां भी एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया और कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करेंगे।

ज्ञापन में स्मार्ट मीटरों को लेकर ग्राहकों के बीच बढ़ रही शिकायतों और बिजली के बिलों में हो रही बढ़ोतरी का जिक्र किया गया।

इस विरोध प्रदर्शन में सौदान यादव, राजेश माहेश्वरी, पंकज एलिया, अमित दुबे, बंटी गुर्जर, विकास शर्मा, जगदीश व्यास, सत्यकुमार शर्मा, बाबू पिंगली, आकाश शर्मा, अमित राजावत, सत्यम बाजपेई, गोलू रघुवंशी, कपिल यादव, विकास यादव, संजय, संग्राम गुर्जर, राजवर्धन, पीयूष राजपूत, अंशु शर्मा, सतीश शर्मा, नरेश रघुवंशी, राज सेन, राजकुमार रघुवंशी, राकेश रघुवंशी, राज रघुवंशी, सुमित मालवीय, शुभम मालवीय, रवि सेन, अनुज दुबे और बड़ी संख्या में अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात को सुगम बनाने उठाए प्रभावी कदम : कलेक्टर

सीहोर, देशबन्धु। कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों से जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा यातायात को सुगम बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वाहनों की ओवर स्पीडिंग रोकने के लिए हाईवे के टोल नाको के पास स्पीड राडार गन द्वारा वाहनों पर कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही रोड़ निर्माण एजेंसी जिले की सभी सड़कों का सर्वे करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी सड़कों पर संकेतक लगे हों और पुल एवं पुलिया क्षतिग्रस्त स्थिती में न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी जलमग्नीय पुल एवं पुलियों पर वर्षा ऋतु के दौरान बैरिकेडिंग की जाए और संकेतक लगाए जाएं। इसके साथ ही निगरानी के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने निर्देश

दिए कि सीहोर नगर में अतिक्रमण वाले स्थानो पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए ताकि यातायात संचालन में बाधा न हो।

कलेक्टर के निर्देशों में कहा गया कि वाहन चालकों के लिए नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएं ।उन्होंने कहा कि यातायात नियमों के बारे में नागरिकों को जागरूक किया जाए ताकि वे इन नियमों को समझते हुए इनका कढ़ाई से पालन कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि लापरवाही से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निरंतर वाहनों की चेकिंग की जाएं और चालानी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएं और हेलमेट न लगाने पर चालानी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पशुओं के रोड़ पर होने से वाहन दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते पशुओं को सड़क से हटाकर गौशालाओं में छोड़ा जाए।

श्री बालागुरू ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, दुर्घटना में घायलों की जान बचाने तथा शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए राहवीर योजना संचालित की जा रही है।

गीत, संभाषण और शिवभक्ति से गूंजा विद्यालय परिसर

वेदांत आश्रम में संस्कृत सप्ताह का उल्लास, विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

गंजबासौदा देशबन्धु। वेदांत आश्रम जीवाजीपुर स्थित श्रीमद् जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी डॉक्टर रामकमलाचार्य वेदांती जी महाराज द्वारा संस्थापित संत श्रीजगन्नाथदास संस्कृत विद्यालय, में मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संस्कृत सप्ताह का आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ किया जा रहा है। 6 अगस्त से प्रारंभ हुआ यह उत्सव 12 अगस्त तक चलेगा, जिसमें संस्कृत भाषा की गरिमा, वैज्ञानिकता और आध्यात्मिकता को उजागर किया जा रहा है। संस्कृत सप्ताह के विशेष आयोजन के अंतर्गत 9 अगस्त को प्रातः 7 बजे आश्रम परिसर में विद्यार्थियों का श्रावणी उपाकर्म (यज्ञोपवीत संस्कार) का आयोजन आचार्यों की देखरेख में संपन्न होगा। आश्रम में चल रहे मासिक शिवलिंग निर्माण अनुष्ठान भी श्रद्धा एवं विधिपूर्वक संपन्न हुआ।

मालूम हो कि शासन द्वारा संस्कृत

भाषा के संवर्धन और संरक्षण के लिए विद्यालयों में संस्कृत सप्ताह मनाने के निर्देश जारी किए गए हैं। वेदांत आश्रम में आयोजित संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों ने संस्कृत गीत, संभाषण, श्लोकवाचन, व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भाषा की सौंदर्यता, लयात्मकता और भाव-समृद्धि को सजीव कर दिया। विद्यार्थियों ने शुद्ध संस्कृत में अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया कि यह भाषा आज भी जीवंत और प्रभावशाली है। इस अवसर पर आश्रम के महंत श्री हरिहरदास जी महाराज ने कहा कि संस्कृत आत्मिक विकास की भाषा है। यह धर्म, सेवा और त्याग जैसे उच्च मूल्यों की प्रेरणा देती है। संस्कृत मानव मात्र की आत्मा को उज्ज्वल करने वाली दिव्य भाषा है। इससे धर्म, सेवा, त्याग और संस्कारों की प्रेरणा सहज ही प्राप्त होती है। यदि भारत को फिर से विश्वगुरु बनाना है, तो संस्कृत को जीवन में उतारना होगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के आचार्यों ने अपने वक्तव्यों में संस्कृत भाषा के वैज्ञानिक पक्ष को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल धार्मिक या साहित्यिक भाषा नहीं, बल्कि विज्ञान, गणित, चिकित्सा और योग की भी मूल भाषा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस धरोहर को केवल पढ़ें ही नहीं, बल्कि जीवन में आत्मसात करें। इसी क्रम में आश्रम परिसर में जारी पार्थिव शिवलिंग निर्माण अनुष्ठान में गुरुवार को प्रमुख यजमान श्रीमती मुन्नीबाई रघुवंशी (बरखेड़ा वाली) रहीं। उन्होंने बड़ी श्रद्धा से भगवान शिव का पूजन कर पार्थिव लिंग निर्माण में सहभागिता की।

नपाध्यक्ष से क्षेत्रवासियों ने कहा, ओवरब्रिज के निर्माण कार्य से हो रही परेशानी

क्षेत्रवासियों को दी 27 लाख की सौगात, सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन

सीहोर, देशबन्धु। शहर के सबसे व्यस्ततम मार्ग माने जाने वाले पुराने हाईवे स्थित हाउसिंग बोर्ड पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। अवधपुरी, चाणक्यपुरी, हाउसिंग बोर्ड आदि के अलावा क्षेत्रवासियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर गुरुवार को वार्ड क्रमांक 21 में सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन करने पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर को क्षेत्रवासियों ने हो रही दिक्कतों से अवगत किया।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि कछुआ की चाल से चल रहे निर्माण कार्य से आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहीं बारिश होने के बाद तो पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर ने कहाकि शीघ्र ही इस समस्या का निराकरण किया जाएगा, वहीं निर्माण एजेंसी को पत्र लिखकर समस्या दूर की जाएगी।

आज वार्ड क्रमांक 21 में करीब दो सड़कों के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। इस मौके पर वार्ड 21 के पार्षद कमलेश कुशवाहा और नगर पालिका उपाध्यक्ष विपिन शास्ता आदि शामिल थे। वार्ड के पार्षद श्री कुशवाहा ने कहा कि क्षेत्र में नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर द्वारा तेजी से विकास कार्य किए जा रहे है। वहीं गुरुवार को नपाध्यक्ष श्री राठौर ने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अवधपुरी में 9 लाख 61 हजार और कृष्णानगर में 17 लाख 56 हजार की सड़क का निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस मौके पर पार्षदों के अलावा क्षेत्रवासी मौजूद थे।

रायसेन जिले में रेल कोच इकाई का भूमिपूजन करेंगे केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास को मिलेगी गति

- 60 हेक्टेयर भूमि पर बनेगी रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग इकाई
- 15 सौ से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रदेश को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात प्राप्त हो रही है। भारत अर्थ मूवर्स परियोजना द्वारा भोपाल जिले की सीमा के पास रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) से भोपाल, रायसेन, सीहोर और विदिशा आदि जिलों को लाभ होगा। इन जिलों के तकनीकी संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। परियोजना में 1500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलना प्राप्त होगा। मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित हो रहे भोपाल क्षेत्र को इस परियोजना से बहुत लाभ होगा। यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में चल रहे मेक इन इंडिया मिशन के भाव का प्रकटीकरण है। यहां बनने वाले वंदे भारत-अमृत भारत और मेट्रो ट्रेनों के कोच से सम्पूर्ण भारतीय रेल व्यवस्था के नए युग का सूत्रपात होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रेल कोच निर्माण सुविधा के लिए औबेदुल्लागंज में 10 अगस्त को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुख्य आतिथ्य में होने वाले भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में समत्व भवन में हई बैठक में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास को गति देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभागियों के स्वाल्पाहार, भोजन, पेयजल आदि के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रक्षा उत्पाद सचिव संजीव कुमार, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार, भारत अर्थ मूवर्स परियोजना के अध्यक्ष शांतनु राय शामिल होंगे। इस अवसर पर भारत अर्थ मूवर्स परियोजना पर केन्द्रित लघु फिल्म, प्रस्तावित प्लांट का 3थी वॉक थ्रू और नए संयंत्रों के मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे। कार्यक्रम में लगभग 10 हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। बैठक में कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल, मछुआ कल्याण एवं मत्सय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा रायसेन जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने खादी ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर वस्त्र व तिरंगा झंडा खरीदा, कहा-

खादी केवल एक वस्त्र नहीं, स्वाधीनता संग्राम की आत्मा है

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल आज जवाहर चौक स्थित खादी एवं ग्रामोद्योग भवन पहुंचकर तिरंगा झंडा और वस्त्र खरीदकर डिजिटल भुगतान किया। उन्होंने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि यह हमारे स्वाधीनता संग्राम की आत्मा है। हमें स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए खादी वस्त्र व तिरंगा खरीदना चाहिए।

श्री खण्डेलवाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और स्वाभिमान के प्रतीक रूप में खादी को जिस भावना से अपनाया था, वह आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी पहले थी। 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल तिरंगा फहराने की परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, गर्व और जागरूकता का अभियान है। यदि हम खादी का तिरंगा फहराते हैं, तो हम राष्ट्र प्रेम के साथ-साथ ग्रामोद्योग, आत्मनिर्भरता और स्थानीय कारीगरों के श्रम को भी सम्मान देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराएं और यथासंभव खादी से बना तिरंगा ही चुनें। इससे न केवल देशभक्ति की भावना और मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय उद्योगों को भी आर्थिक संबल मिलेगा।

इस दौरान उनके साथ पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति मौजूद थे।

पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह से मिलने पहुंचे खंडेलवाल, बोले

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं

भोपाल, देशबन्धु। मालेगांव बम धमाके के मामले के आरोपों से बरी होने वाली पूर्व सांसद प्रज्ञा से मिलने आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल उनके घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सत्य परेशान हो सकता है पर पराजित नहीं। न्यायालय के फैसले ने सिद्ध कर दिया है कि सनातन धर्म का व्यक्ति कभी आतंकवादी घटना में शामिल नहीं हो सकता। खंडेलवाल ने कहा कि न्यायालय के फैसले से झूठे नैरेटिव का पर्दाफाश हो चुका है। उन्होंने कहा कि खण्डेलवाल ने कहा कि साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर पर जो आरोप लगाए गए थे वह बहुत ही दुखद व दुर्भायपूर्ण थे। उन्होंने सनातन के लिए असाधारण संघर्ष किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित 7 आरोपियों ने बीते 17 वर्षों में असहनीय पीड़ा, सामाजिक बहिष्कार और राजनीतिक प्रहारों को सहन किया है। वोट बैंक के लालच और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने न सिर्फ निर्दोषों को फंसाया, बल्कि पूरे हिंदू समाज की छवि को धूमिल करने का संगठित प्रयास भी किया। इस फैसले से हिंदू धर्म को मानने वालों में खुशी की लहर है। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद , प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति मौजूद थे।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस : सीबीसी द्वारा 'गांधी की खादी : वर्तमान और भविष्य' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

कारीगरों में हुनर की कमी नहीं, उन्हें प्रोत्साहन की आवश्यकता : डॉ. सिंह

भोपाल, देशबन्धु। केन्द्रीय गांधी स्मारक निधि नई दिल्ली के सचिव डॉ. संजय सिंह ने कहा कि भारत के कारीगरों में हुनर की कोई कमी नहीं है। उन्हें लोगों के प्रोत्साहन और संरक्षण की आवश्यकता है। हस्तरकघा से कलात्मक वस्त्र बनाने में बहुत समय और परिश्रम लगता है। उसकी तुलना में देखेंगे तो आपको वे वस्त्र महंगे नहीं लगेंगे। श्री सिंह आज राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर केन्द्रीय संचार ब्यूरो प्रादेशिक कार्यालय, भोपाल द्वारा गांधी भवन न्यास में 'गांधी की खादी : वर्तमान और भविष्य' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खादी और हस्तकरघा के कपड़ों में मिलावट से सावधान रहने की भी जरूरत है।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल ने कहा कि खादी के जरिए महात्मा गांधी ने एक ऐसा आंदोलन खड़ा किया जो अपने देश में बने वस्त्रों के उपयोग के लिए लोगों को प्रेरित करता था। गांधी जी ने इस काम को आगे बढ़ाया और आज हमारी खादी एवं हमारा हथकरघा फिर से दुनियाभर में लोकप्रिय हो रहा है।

फैशन डिजाइनिंग, निफ्ट, भोपाल की विभाग प्रमुख सुश्री विशाखा अग्रवाल ने कहा कि 'स्किल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियानों ने हस्तशिल्प एवं हथकरघा उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने हथकरघा के उभार में महिलाओं के अहम योगदान का भी जिक्र किया। उन्होंने बनारसी साड़ियों का उदाहरण देते हुए जीआई टैग के महत्व के बारे में भी बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। संगोष्ठी के बाद चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो भोपाल के प्रमुख प्रशांत पाठराबे ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में उपनिदेशक शारिक नूर, सहायक निदेशक अजय प्रकाश उपाध्याय, सहायक निदेशक समीर वर्मा, सहायक निदेशक सुश्री करिश्मा पंथ, एसपीए भोपाल के एसोसिएट प्रोफेसर सौरभ पोपली सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद थे। मंच संचालन सहायक निदेशक पराग मांदले ने किया।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित कार्यशाला में बोलीं महिला बाल विकास मंत्री

बच्चों के सम्मान और सुरक्षा की गारंटी है पॉक्सो अधिनियम

विद्यालयों में हर 15 दिन में हो पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता सत्र

भोपाल, देशबन्धु। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 पॉक्सो एक्ट बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। इस कानून की जानकारी जन-जन तक पहुँचना अत्यंत आवश्यक है, जिससे बच्चे शोषण का शिकार न हों।

मंत्री सुश्री भूरिया गुरूवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेशन सेंटर में मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के विरुद्ध किसी भी प्रकार का यौन अपराध गंभीर और संज्ञेय है, इसके लिए पॉक्सो एक्ट में कठोर सजा का प्रावधान है। मध्यप्रदेश सरकार ने ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर दोषियों को मृत्युदंड तक दिलवाया है, जो राज्य की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि सरकार ने 137 बाल देखरेख संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को आश्रय और पुनर्वास की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 435 अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति और भविष्य निधि का लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में हर 15 दिन में एक बार पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता सत्र अनिवार्य किया जाए, जिससे बच्चों को अपने अधिकारों और सुरक्षा के उपायों की जानकारी मिल सके। मंत्री सुश्री भूरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बच्चों के हित का विशेष ध्यान रखते हैं, यह उनकी संवेदनशीलता और प्रदेश के भविष्य के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

बच्चों का संरक्षण देश की सामूहिक जिम्मेदारी : श्रीमती धर्मिष्ठाबेन

गुजरात बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती धर्मिष्ठाबेन वी. गज्जर ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों के संरक्षण को देश की सामूहिक ज़िम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में बाल अधिकार आयोग अपनी-अपनी संरचनाओं और कार्यपद्धतियों के माध्यम से बच्चों के हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिये यह अनिवार्य है कि शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास के क्षेत्रों में अपने वाली चुनौतियों का सजग रहकर समाधान किया जाये। कार्यशाला को मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्रविन्द्र मोरे ने भी संबोधित किया।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।